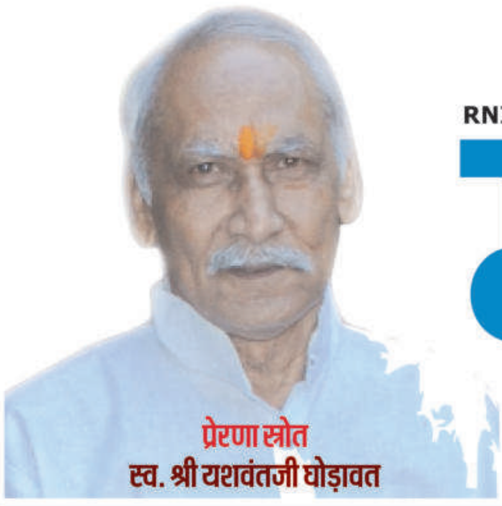

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

हमको कुचलने से, वे हमारे विचारों को मार नहीं सकते।

शहीदे आज़म भगतसिंह

वर्ष-05, अंक - 10 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 08 दिसम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

फंदे से लटकी मिली बाघ की लाश, शिकार की आशंका

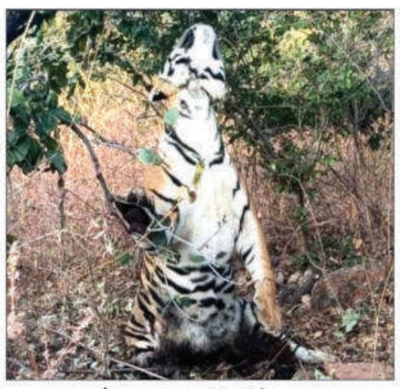

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व वनक्षेत्र में बुधवार को वन विभाग के रेंजर्स को पेड़ से बाघ की लाश लटकी हुई मिली। रेंजर्स ने वन के सीनियर अधिकारियों को इसकी सूचना दी जिसके बाद घटना की छानबीन की गई। वन विभाग के द्वारा बाघ के शिकार की आशंका जताई जा रही है। शव 4-5 दिन पुराना बताया जा रहा है। पन्ना टाइगर रिजर्व के उत्तर वन मंडल के विक्रमपुर बीट में बाघ का शव मिला है।वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार शिकारियों ने बाघ को मारने के लिए जाल बिछाया हुआ था। बाघ का पैर फंदे में फंस गया, जिसके बाद वह पेड़ से लटक गया।

अधिकारियों ने बताया कि, जिस प्रकार से बाघ का शव लटका हुआ था उससे साफ होता है कि शिकारियों की वहां मौजूदगी थी। इस बारे में कई अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

पन्ना से करीब 15 किलोमीटर दूर घने जंगल में ये घटना हुई है। वनक्षेत्र टाइगर रिजर्व से जुड़ा हुआ है इसलिए संभावना जताई जा रही है कि टाइगर रिर्जव से भटककर बाघ यहां पहुंचा होगा। जिसके बाद स्थानीय शिकारियों ने टाइगर को फंसाने के लिए जाल लगाया होगा।

पन्ना टाइगर रिजर्व में वर्तमान में करीब 70 से अधिक बाघ हैं। पेड़ के फंदे से लटकी मिली लाश भी टाइगर रिजर्व के बाघ की ही बताई जा रही है। मामले की जांच के लिए राजधानी भोपाल से भी अधिकारियों की टीम घटनास्थल पहुंची। वनक्षेत्र समेत टाइगर रिजर्व में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

बढ़ेगी ब्याज दरें, आरबीआई गवर्नर ने महंगाई पर जताई चिंता

नई दिल्ली।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट में 0.35 फीसदी की बढ़ोत्तरी की है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि, रेपो रेट में 35 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद यह बढ़कर 6.25 प्रतिशत हो गया है।

गौरतलब है कि रेपो रेट वह दर है जिस पर रिजर्व बैंक अन्य बैंकों को उधार देता है। एक बेसिस पॉइंट एक प्रतिशत अंक का सौवां हिस्सा होता है। रेपो रेट में बढ़ोतरी का असर होम लोन, कार लोन और पर्सनल होन की ईएमआई पर पड़ेगा।

आरबीआई एमपीसी बैठक के दौरान आरबीआई गवर्नर ने मुंबई में कहा कि, अप्रैल-अक्टूबर के दौरान भारतीय रुपए में वास्तविक रूप से 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि अन्य प्रमुख मुद्राओं में गिरावट आई है। उन्होंने जानकारी दी कि, एफडीआई प्रवाह अप्रैल से अक्टूबर 2022 में बढ़कर 22.7 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 21.3 अरब डॉलर था।

मुद्रास्फीति बढ़ने की उम्मीद

शक्तिकांत दास ने बताया कि, वित्त-वर्ष 23 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान 6.7 प्रतिशत पर बरकरार है। उन्होंने कहा कि, अगले 12 महीनों में इन्फ्लेशन रेट 4 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है। आरबीआई ने कहा कि, महंगाई अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। इसे कम करने के लिए केंद्रीय बैंक की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि, स्टैंडिग डिपोजिट फैसिलिटी रेट को 6 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट और बैंक रेट को 6.5 प्रतिशत तक एडजस्ट किया गया है। चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर का अनुमान को 7 प्रतिशत से घटाकर 6.80 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में विकास दर 7.1 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में विकास दर 5.90 प्रतिशत रह सकती है। आरबीआई ने बताया कि, 2 दिसंबर तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार 561.2 अरब डॉलर हो गया है।

जी20 की अध्यक्षता बड़ा अवसर

जी20 प्रेसीडेंसी पर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि, जी20 की अध्यक्षता भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने का एक बड़ा अवसर है। हम फाइनेंस ट्रैक में चर्चा में भाग लेंगे। सरकार ने फाइनेंस ट्रैक के लिए अलग से एजेंडा पहले ही निर्धारित कर लिया है। उन्होंने कहा, कई देशों से काफी उम्मीदें हैं। वे कई पहलुओं में बड़ी भूमिका निभाने के लिए भारत की ओर देख रहे हैं, चाहे वह फिनटेक और डिजिटल भुगतान में इनोवेशन हो या कई अन्य क्षेत्रों में।

कश्मीर में पंडितों की सूची सार्वजनिक होने से बौखलाए आतंकी

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर में 56 पंडितों की सूची सार्वजनिक होने का मुद्दा गर्माया हुआ है। कहा जा रहा है कि, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की भारी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के आतंकी समूह हताशा जाहिर कर रहे हैं। हालांकि, मामले की गंभीरता के मद्देनजर सुरक्षा बलों ने भी रफ्तार बढ़ाने का फैसला किया है। साथ ही यह भी माना जा रहा है कि पुरानी सूची जारी करना पाकिस्तान के साइकोलॉजिकल वारफेयर का भी हिस्सा हो सकता है। हाल ही में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर समीक्षा बैठक की थी।

मंगलवार को हुई बैठक के दौरान बड़े स्तर पर इस बात पर सहमति बनी कि कश्मीरी पंडितों की पुरानी सूची जारी करना पाकिस्तान के डीप स्टेट के साइकोलॉजिकल वारफेयर का हिस्सा हो सकता है, घाटी में अपने तथाकथित सियासी मंसूबों के लिए लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद का इस्तेमाल करता है।

प्रेस से बातचीत में जम्मू और कश्मीर के सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि, सूची जारी करने वाले द रेजिस्टेंस फ्रंट सीमा पार अपने हैंडलर्स को नतीजे देने के लिए परेशान है, लेकिन सुरक्षा बलों के एक्शन ने उनके कैडर्स की संख्या गिरा दी है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया, करीब 110 में से 80 टीआरएफ आतंकियों को ढेर किया गया है। ओवरग्राउंड एक्शन के बाद इन टीआरएफ चरमपंथियों की शेल्फ लाइफ 10 से 15 दिन होती है।

जम्मू और कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने इस साल 52 से ज्यादा विदेशी आतंकियों को मार गिराया है। इसके चलते कभी बड़े चरमपंथी समूह अब घाटी और जम्मू में घट गए हैं। अब ये दो से चार चरमपंथयों के साथ मॉड्यूल के तौर पर काम करते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अधिकांश ग्राउंड वर्कर्स के ढेर होने के चलते एलईटी और जेईएम की गतिविधियों में भारी गिरावट आई है।

कसी कमर

सूची जारी करने और पाकिस्तानी आतंकी समूहों की तरफ से पत्रकारों के धमकाने के बीच सुरक्षा बलों ने इलाके में रफ्तार बढ़ाने का फैसला किया है। इस दौरान अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर फोकस किया जाएगा। सीमा पार से जिहादी नेटवर्क को ब्लॉक करने के लिए साइबर एक्शन पर भी विचार किया जा रहा है।

सुखोई-30 विमानों की क्षमता को बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायु सेना अपने सुखोई-30 बेड़े की क्षमताओं को और अधिक मजबूत बनाने जा रही है। वायु सेना सुखोई 30 को नई मिसाइल से प्रणाली से लैस कर रही है, जो जमीन पर मौजूद अपने टारगेट को 250 किलोमीटर से अधिक की दूरी से मार गिरा सकती है। बता दें कि, नई मिसाइल प्रणाली वायु सेना द्वारा आपातकालीन प्रावधानों के तौर पर अपनाई गई है। ये प्रणाली भविष्य में वायु सेना की क्षमता और अधिक बढ़ाने में मदद करेगी।

रक्षा सूत्रों ने कहा, न्यू हाई स्पीड लो ड्रैग मिसाइल अपने टारगेट को 250 किलोमीटर से अधिक की दूरी से ही मार गिरा सकती है और यह फाइटर जेट की क्षमता को बढ़ाएगी। बता दें कि, फाइटर जेट में इस क्षमता के बाद, भारतीय वायु सेना दुश्मन के सैन्य शिविरों और आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला करने में और अधिक सक्षम हो जाएगी। जैसा कि उन्होंने 2019 में बालाकोट आपरेशन के दौरान अपने क्षेत्र के भीतर से किया था। सूत्रों ने कहा, नई मिसाइल भारतीय वायुसेना के एसयू-30 बेड़े के लिए महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि वैश्विक स्थिति के मद्देनजर यूरोपीय या अमेरिकी मूल की लंबी दूरी की मिसाइलों को एकीकृत करना आसान नहीं होगा। इसी कारण से भारतीय वायु सेना भी एसयू-30 को अपग्रेड कर रहा है, जिसकी लागत 30 हजार रुपए से अधिक होने की उम्मीद है और यह 85 विमानों के साथ शुरू होगा।

वायु सेना के पास अभी क्या है विकल्प?

जानकारी के अनुसार, वायु सेना के पास वर्तमान में इनमें से लगभग 260 हेवी वायु सुपीरियारिटी वाले लड़ाकू जेट हैं, जो अब सेना के सबसे आधुनिक राफेल लड़ाकू विमानों के साथ उड़ान भर रहे हैं। वायु सेना ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों को शामिल करके सुखोई-30 की क्षमताओं को बड़े पैमाने पर मजबूत किया है, जो 500 किलोमीटर से अधिक दूरी के लक्ष्यों को मार सकती है।

तकनीकी से लैस होता सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। एडवांस होती दुनिया में सुप्रीम कोर्ट भी तेज रफ्तार से अपग्रेड हो रहा है। बुधवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मोबाइल एप का ऐलान किया है। सीजेआई का कहना है कि, इससे अधिकारियों और सरकारी विभागों को मदद मिलेगी। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान भी सीजेआई ने पहले कोर्ट के तकनीक के साथ बढ़ने का जिक्र किया था।

बुधवार को सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट मोबाइल एप 2.0 की घोषणा की है। इसमें कुछ नए फीचर्स भी शामिल है। सीजेआई ने कहा कि, इसके जरिए अधिकारी और सरकारी विभाग अपने केस ट्रैक कर सकेंगे। एप के नए वर्जन के साथ सरकारी विभाग अपने लंबित मामलों के बारे में जानकारी हासिल कर सकेंगे।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने जानकारी दी है कि, एप 2.0 कुछ घंटों में गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध हो जाएगी और आईओएस यूजर्स एक सप्ताह में इसे डाउनलोड कर सकेंगे। इस बार हमने एक एडिशनल फीचर शामिल किया है। सभी अधिकारी अपने मामलों की ताजा जानकारी ले सकेंगे। सभी सरकारी अधिकारी अपने लंबित मामले देख सकेंगे। कृपया इसका इस्तेमाल करें।

एप की समरी में बताया कि, केंद्रीय मंत्रालय विभाग के नोडल अधिकारी अपने दाखिल केस, स्टेटस ऑर्डर्स, फैसले और सुप्रीम कोर्ट में दाखिल दस्तावेज देख सकेंगे। वर्ष 2021 में शीर्ष न्यायालय ने कोर्ट की कार्रवाई की रिपोर्टिंग में पत्रकारों के लिए मोबाइल एप लॉन्च की थी।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद बातचीत से होगा हल

मुम्बई।

महाराष्ट्र-कर्नाटक विवाद के हिंसक होते ही दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बातचीत का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, बसवराज बोम्मई और एकनाथ शिंदे ने मंगलवार शाम फोन पर बात की थी। इधर, दोनों राज्यों की पुलिस ने भी कार्रवाई के तेज कर दी है। अलग-अलग संगठनों के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

खबर है कि, बोम्मई और शिंदे के बीच फोन पर हुई बातचीत में सबसे बड़ा मुद्दा सीमा के मौजूदा हाल रहे। दोनों ने हालात को शांत करने और सीमावर्ती इलाकों में शांति बरकरार रखने को लेकर चर्चा की। इससे पहले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सीएम बोम्मई से कर्नाटक जा रहे वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा था।

सीएम बोम्मई ने भी विवाद को राजनीतिक रंग दिए जाने से इनकार किया है और कहा कि, वह नया विवाद नहीं चाहते। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से किए गए, प्रयासों के बाद दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत हुई। खास बात है एक ओर भाजपा कर्नाटक में सत्तारूढ़ हैं। वहीं, महाराष्ट्र में बालासाहेबांची शिवसेना के साथ सरकार चला रही है।

दोनों राज्यों में हंगामा

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट ने पुणे बस टर्मिनस पर पहुंची केएसआरटीसी की बसों पर काला रंग लगा दिया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और कर्नाटक की बसों पर 'जय महाराष्ट्र' लिख दिया। इससे कुछ घंटों पहले ही खबर आई थी कि महाराष्ट्र रजिस्टर्ड 5 लॉरियों पर बेलगावी से 24 किमी कथित तौर पर कर्नाटक रक्षण वेदिके (टीए नारायण गौड़ा गुट) ने हमला कर दिया था।

कर्नाटक पुलिस ने गुट के नेता टीए नारायण गौड़ा और सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। वहीं, बेलगावी को महाराष्ट्र में शामिल करने की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे महाराष्ट्र एकीकरण समिति कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया। महाराष्ट्र में पुलिस ने शिवसेना के 20 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया।

दिल्ली एमसीडी में चला आप का झाड़ू

नई दिल्ली।

दिल्ली नगर निगम चुनाव (एमसीडी) में आम आदमी पार्टी ने 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज भाजपा को हरा दिया है। 250 वार्ड वाली एमसीडी में केजरीवाल की पार्टी ने 134 सीटों पर कब्जा जमाया, जबकि भाजपा 104 का आंकड़ा ही छू पाई। वही कांग्रेस ने 9 सीटों पर तो 3 पर निर्दलीय ने जीत दर्ज की है। अन्ना आंदोलन के बाद साल 2012 में बनी आम आदमी पार्टी ने महज दस वर्षों में ही कई झंडे गाड़े हैं। अन्य क्षेत्रीय दलों को पिछाड़ते हुए 'आप' अब राष्ट्रीय पार्टी बनने की ओर तेजी से बढ़ रही है। पिछले दस वर्षों में केजरीवाल की पार्टी ने दिल्ली में तीन बार सरकार बनाई, जबकि पंजाब में इसी वर्ष भारी बहुमत हासिल करते हुए सत्ता पर काबिज हो गई। वहीं, उत्तराखंड, गोवा, यूपी, गुजरात जैसे कई राज्यों में भी पार्टी ने चुनाव लड़कर कार्यकर्ताओं का एक अच्छा खासा बेस बना लिया है। विभिन्न चुनावों में तेजी से सफलता हासिल करती आम आदमी पार्टी की अब नजर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों पर होगी। राजनीतिक एक्सपर्ट्स का मानना है कि पार्टी पिछले कुछ नतीजों से काफी उत्साहित है और वह आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी को टक्कर देने के पूरे मूड में होगी।

राष्ट्रीय पार्टी बनने के नजदीक

एमसीडी में आप की जीत से उसकी भविष्य की योजनाओं को और बल मिलेगा। एमसीडी के नतीजे गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव के नतीजों से एक दिन पहले आए हैं। खासतौर से गुजरात में एग्जिट पोल ने भविष्यवाणी की है कि, आप को राष्ट्रीय पार्टी बनने में मदद करने के लिए पर्याप्त वोट मिल सकते हैं।

दिल्ली नगर निगम में जीत से आम आदमी पार्टी के लिए किसी 'बूस्टर डोज' से कम नहीं है। केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने ऐसे समय में दिल्ली पर जीत हासिल की है जब केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। एमसीडी पर पिछले 15 वर्ष से राज करने वाली भाजपा ने दिल्ली में कम से कम 15 केंद्रीय मंत्रियों और 6 मुख्यमंत्रियों को चुनाव प्रचार के लिए मैदान में उतारा था। वहीं आप की तरफ से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके डिप्टी मनीष सिसोदिया ने बड़े पैमाने पर आप के अभियान का नेतृत्व किया और साथ ही गुजरात में भी जमकर प्रचार किया।

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने को लेकर लोकसभा में उठी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा में बुधवार को विभिन्न दलों के सदस्यों ने देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने, हरियाणा के खनन श्रमिकों को ध्यान में रखकर अस्पताल खोले जाने और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में असमय वर्षा के कारण आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन कराने की मांग उठाई। भाजपा के सत्यदेव पचौरी ने जनसंख्या का मुद्दा शून्यकाल में उठाते हुए कहा कि, देश में खेती और आवास के लिए सीमित भूमि है, जल समेत विभिन्न संसाधन सीमित हैं और बेरोजगारी बढ़ रही है, ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनाया जाना चाहिए।

वहीं, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की चिंता अनुराधा ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से अनुरोध किया कि, निजी और सरकारी क्षेत्र की महिला कर्मियों के लिए हर महीने दो दिन का मासिक धर्म (मेन्स्ट्रल) से संबंधित अवकाश होना चाहिए जो उनका विशेषाधिकार हो। भाजपा के धरमबीर सिंह ने हरियाणा के भिवानी, दादरी और नारनौल में खनन क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को होने वाली बीमारियों और उनके साथ होने वाली दुर्घटनाओं का विषय उठाते हुए ऐसी स्थिति में तत्काल उपचार के लिए तीनों जगह कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के अस्पताल खोले जाने की मांग केंद्र से की।

बीजेपी के ही जगदंबिका पाल ने उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अक्टूबर में असमय वर्षा के कारण आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्रीय दल भेजने की मांग की।

कांग्रेस केके सुरेश ने शून्यकाल में कहा कि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को पेंशनभोगी कर्मियों को भुगतान के संबंध में उच्चतम न्यायालय के पिछले दिनों दिए गए आदेश का पालन करना चाहिए। तेलंगाना से कांग्रेस के उत्तम रेड्डी ने राज्य में चार कोल ब्लॉक के आवंटन पर केंद्र सरकार की कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाया जिसका खंडन करते हुए केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि, आरोप बेबुनियाद हैं और पारदर्शी तरीके से आवंटन हुआ है। उन्होंने कहा, करोड़ों रुपये का कोयला घोटाला करने वाले पारदर्शिता नहीं चाहते।

साला मैं तो साहब बन गया, मैं जो कहूं वही सही बाकी सब गलत...3

तहसीलदार साहब की कारस्तानी ऐसी कि स्थानीय या कोई छोटा खनन करे तो गुनहगार और कोई बाहरी व बड़ा खनन करे तो साहूकार

साहब की मनमानी वाली कारस्तानी से क्षेत्र में चर्चा हो रही की क्या 8 लेन वाले नायब साहब के बाप लगते है या कोई रिशतेदार...?

माही की गूंज, खवासा।

प्रदेश व केंद्र सरकार की योजना में एक योजना मुख्यमंत्री आवास योजना व प्रधानमंत्री आवास योजना भी मुख्य रूप से धरातल पर संचालित हो रही है यह सही है। और देश के प्रधानमंत्री का भी सपना है कि, हर निचले स्तर तक के व्यक्ति का एक पक्का मकान हो और इसी उद्देश्य के साथ सरकार ने अपनी आवास योजना लागू की। यह भी तय है कि, चाहे वह छोटे तबके का व्यक्ति हो या कोई वीआईपी अपना आशियाना मकान के रूप में बनाता है या फिर चाहे मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मंजूर हुई सरकारी राशि से भी कोई व्यक्ति अपना मकान बनाता है। लेकिन इसमें मकान की नींव निर्माण के साथ ही मकान बनाने में प्रषासनिक दोहरे रवये का सामना करते हुए परेषान होना पडता है। सर्वप्रथम मकान की नींव रखने हेतु गड्ढे खोदने के साथ जमीन के समतलीकरण के लिए मोरम की आवश्यकता सरकारी योजना में मिले मकान का व्यक्ति हो चाहे कोई वीआईपी उसे होती ही है और मोरम के साथ समतलीकरण के बाद ही मकान का निर्माण किया जाना संभव होता है, यह हर कोई जानता है

यह भी सही है कि, हमारी सभी शासकीय व्यवस्थाएं अलग-अलग विभागों के साथ बटी हुई है और कोई भी कार्य हमें उन सरकारी व्यवस्थाओ व नियमों के आधार पर ही करना होता है। लेकिन बात यहां आती है कि, कुछ सरकारी व्यवस्थाए ऐसी है कि, एक आम व्यक्ति को उस कार्य को नियमों के आधार पर करना संभव नहीं होता हैं। इस स्थिति में सरकार व सरकार के तंत्र को चाहिए कि, सरकारी व्यवस्थाऐ जो मूलभूत व्यवस्थाओ से जुड़ी है, वह व्यवस्था एक नीचे तबके के व्यक्ति को भी सुचारू रूप से सरकारी नियमों के आधार पर स्थानीय स्तर पर ही न हो तो पंचायत के माध्यम से व्यवस्थाएं व सुविधाएं मिलना चाहिए। ऐसा होने पर तय है एक आम व निचे तबके का व्यक्ति भी अपने मूलभूत कार्य नियमों के आधार पर ही करेगा।

हम आज बात कर रहे हैं एक छोटे तबके से लेकर बड़े तबके का व्यक्ति ही क्यों न हो वह अगर मकान का निर्माण करता है तो उसे नींव भराई के साथ मकान का समतलीकरण करने हेतु मोरम की आवश्यकता पड़ती ही है। और कोई भी व्यक्ति अपना मकान निर्माण का कार्य करता है तो उस समय इस महंगाई के साथ 100 रुपये तक मिलने वाली सीमेंट की बोरी 400 रुपये होने पर व सरिया एक न्यूनतम भाव के साथ अधिकतम 100 रुपये प्रति किलो के करीब तक कीमत हो जाने पर भी इस बढ़ती महंगाई के साथ मकान निर्माण करने वाले व्यक्ति ने बाजार मूल्य के साथ निर्माण सामग्री खरीद कर अपना मकान निर्माण का कार्य किया है। हमारा सवाल यहा यह है कि, जो व्यक्ति 100 रुपये में मिलने वाली सीमेंट 400 सौ रुपये तक व 30 रुपये से लेकर 100 रूपये के करीब भी सरिया खरीद कर अपना आशियाना बना सकता है, तो क्या एक मकान बनाने वाले व्यक्ति को अपने नींव भरने के साथ समतलीकरण के लिए मोरम की रॉयल्टी नही भर सकता है क्या...?

अनिल बघेल की दोहरी कारस्तानी से कई तरह की चर्चा।

हमारा जवाब यहां यह है कि, आम व्यक्ति को अगर स्थानीय स्तर पर खनिज विभाग की गाइडलाइन के साथ मकान बनाने के लिए ऐसी व्यवस्थाएं पंचायत स्तर पर भी हो जाए कि, वह अपनी रॉयल्टी भरकर अपना मकान निर्माण कर सके। लेकिन ऐसी व्यवस्था नहीं होने पर सरकारी योजना में मिले आवास हो या निजी रूप से बनाने वाले मकान निर्माण के लिए बिना रॉयल्टी से मोरम लाने को मजबूर होना पड़ता है और हमारी अफसरशाही ऐसी है कि, इस तरह से कोई मकान निर्माण करने के लिए मोरम लेकर आता है उस पर कार्रवाई कर दी जाती है और 10-20-30 या 50 ट्राली मोरम खोदने वाली मशीनों को टारगेट बनाकर अफसरशाही अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। लेकिन इन अफसरशाही को कोई बड़ा व्यक्ति जो इन्हें प्रतिमाह लाभ भी पहुंचाता है उसे अवैध खनन करने के साथ मोरम बेचने की अनधिकृत परमिशन भी दे देता है। यह आम लोगों के साथ भेदभाव पूर्ण कार्रवाई हर जगह देखने को मिल सकती है।

परंतु हम खवासा व क्षेत्र की ही बात करें तो खवासा क्षेत्र से होकर 8वें दिल्ली-मुंबई सड़क निर्माण का कार्य हुआ। जिसमें नियमानुसार सड़क निर्माण में मोरम हेतु निर्धारित खदानें आवंटित कर रॉयल्टी के साथ खदानों से मोरम सड़क निर्माण हेतु ले जाना था। लेकिन स्थानीय प्रशासनिक तालमेल से निर्धारित खदानों के अलावा भी अन्य जगहों से मोरम का लाखो हीं नही करोड़ों घनमीटर बिना रॉयल्टी के सड़क निर्माण हेतु मोरम ले गए, जिन पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। वहीं यह सड़क निर्माण कंपनी के नुमाइंदे अवैध खनन कर सड़क निर्माण में मोरम ले जाने के साथ ही बाजार में भी डम्परो से मोरम को बेचा गया पर खवासा के नायब तहसीलदार अनिल बघेल ने आंखें मूंद 8लेन के नुमाइंदों को अनाधिकृत रूप से मोरम बेचने की परमिशन दे दी। नतीजन हाल ही में डॉक्टर चंपालाल पाटीदार के मकान, सत्य साईं स्कूल के नवनिर्माण के साथ हर किसी को क्षेत्र में मोरम बेचा जा रहा है।

इस संबंध में भ्रष्ट व रिश्वतखोर नायब तहसीदार अनिल बघेल से कोई चर्चा करता है तो, साहब कार्रवाई करने के बजाय कहते हैं जरूरतमंदों को दे रहे होंगे, यानी साहब उसी बात को चरितार्थ कर रहे हैं कि, ''साला मैं तो साहब बन गया और मैं जो कहूं वही सही बाकी सब सब गलत...।''

क्षेत्र के एक सरपंच से चर्चा होने पर गूंज को बताया कि, 8लेन में कार्य करने वाले कर्मचारी बड़े पैमाने पर अवैध खनन कर डम्परो से दिन-दहाड़े ही खवासा सहित क्षेत्र में मोरम बेच रहे हैं तो साहब आप कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हो..? नायब तहसीलदार अनिल बघेल से कहा तो, बघेल साहब ने कार्रवाई करने के बजाय कह दिया कि, जरूरतमंद को मोरम दे रहे होंगे तो देने दो कहकर फोन काट दिया। उक्त नायब साहब की कथनी व करनी में फर्क देख व सुन क्षेत्र के लोग यही कह रहे हैं कि, अनिल बघेल साहब का क्या 8 लेन वाले उनके बाप या रिश्तेदार लगते हैं...? जिसके कारण उन्हें मोरम बेचने की परमिशन अनाधिकृत रूप से दे दी और कोई गांव का व्यक्ति मकान बनाने के लिए मोरम ले जाता है तो साहब कार्रवाई कर अपनी अफसरगिरी झाड़ रहे है। साहब के बारे में यहां तक कहा जा रहा है कि, 8लेन वाले साहब का कोई रिश्तेदार नहीं है तो तय हे साहब सबसे बड़ा रिश्वतखोर है और रिश्वत लेने के साथ बड़ों पर कोई कार्रवाई नहीं करता और छोटो पर कार्रवाई कर अपनी अफसरशाही रूपी मर्दानगी पेश कर रहा है।

युगप्रताप सिंह बने पिस्टल शूटिंग में नेशनल चैंपियन

माही की गूंज, झाबुआ।

भोपाल में चल रही 65 वी पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधिवत करते हुए, राजस्थान का सामना करते हुए युगप्रताप सिंह राठौड़ ने मिक्स्ड इवेंट के यूथ कैटेगरी में कास्य पदक हासिल किया। साथ ही भारतीय पिस्टल टीम में समिल होने के लिए क्वालीफाई भी किया। 15 वर्षीय युगप्रताप सिंह राठौर फिल्हाल मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी भोपाल में प्रशिक्षण ले रहे। युगप्रताप अपनी जीत का श्रेय अपने माता-पिता और कोच जयवर्धन सिंह चौहान को देते है। आपको बता दे युगप्रताप उमरकोट (झाबुआ) के निवासी हैं और पिस्टल शूटिंग में जिले का नाम रोशन कर रहे हैं।

मंदिर के मुख्य द्वार का भूमि पुजन हुआ सम्पन्न, भव्य मंदिर बनना है ग्राम घुघरी में

माही की गूंज, करवड़।

रतलाम-झाबुआ जिले की सीमा पर स्थित ग्राम पंचायत घुघरी में मुख्य मार्ग पर श्री महाकाली माता एवं श्री शनिदेव धाम मंदिर का निर्माण कार्य होने जा रहा है। जिसमे सनातन धर्म संस्कृति से जुड़ी सभी जातियों के देवी-देवताओं की भव्यतिभव्य मकराना के मार्बल की मूर्तियां एक ही छत के नीचे मंदिर में विराजित होगी। जातपात को छोड़ो हर हिंदू को जोड़ो वाली विचारधारा को लेकर सभी साढ़े पाच फिट हाइट की मूर्तियां घुघरी निवासी दानदाता ठाकुर साहब भगवानसिंह शक्तावत द्वारा स्वयं के खर्च से बनवाईं गई एवं मंदिर निर्माण हेतु स्वयं की डेढ़ बीघा सिंचित भुमि जो कि, टू-लेन, फोर-लेन रोड के मध्य स्थित है मंदिर निर्माण समिति श्री महाकाली माता एवं श्री शनिदेव धाम मंदिर ट्रस्ट को दान की। मंदिर ट्रस्ट समिती के सदस्यों द्वारा सोमवार को

मंदिर के मुख्य द्वार के भूमि पूजन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भगवा स्वयंसेवक संघ (आरआरएस) संगठन के मध्यप्रदेश अध्यक्ष मोतीलाल जैन एवं विशेष अतिथि पेटलावद विधायक प्रतिनिधि शेलेन्द्र सिंह राठौर (शेरुलाला) के मुख्य आतिथ्य में पंडित द्रुमिल उपाध्याय ने मंत्रोच्चार द्वारा नव-निर्माणाधीन मंदिर के मुख्य द्वार का विधिवत भूमि पूजन करवाया। भूमि पूजन के कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवानसिंह शक्तावत, ठाकुर गजराजसिंह, कालुसिंह शक्तावत, हरचन्द कटारा, राजदीपसिंह राठौर, करडावद से मोहनलाल आंजना, पेटलावद से सिर्वी गोविंद भाई चौहान, बिरमावल से किशनगिरी गोस्वामी, लालगुवाड़ी से बाबुलाल गुर्जर, रतलाम से मनोज राठौड़, रावटी क्षेत्र से प्रभुलाल भूरिया, मोहनलाल निनामा, खारी से धर्माभाई गामड़ सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भगवान श्री दत्तात्रेय जयंती पर हुआ महाआरती व भंडारे का आयोजन

माही की गूंज, बामनिया।

यहा ग्राम के पेटलावद रोड स्थित श्री मंशापूर्ण खेड़ापति हनुमान मंदिर पर बुधवार को 11 बजे भगवान श्री दत्तात्रेय जयंती पर महाआरती व भंडारे का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर खेड़ापति हनुमानजी का आकर्षक श्रृंगार भी किया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने पहुच कर महाआरती और भंडारे की भोजन प्रसादी का लाभ लिया।

नगर को ट्रैफिक से मिलेगी निजात, नवीन पुलिया का जल्द होगा कार्य प्रारंभ

माही की गूंज, थांदला।

प्रभारी मंत्री ने 66 लाख की लागत से बनने वाले 2 पूलियों के निर्माण का भूमि पूजन किया गया था। चुनाव के कारण निर्माण शुरू नहीं हो पाया जबकी दोनों पुलियों के निर्माण की राशि अलग से स्वीकृत हो चुकी थी। वर्तमान परिषद की अध्यक्षा लक्ष्मी सुनील पणदा ने निर्णय लिया कि, जिन मदों में पैसा पड़ा है उनके कार्य जल्द पूर्ण होना चाहिए। जिसके लिए पार्षदों के साथ बैठक का निर्णय लिया गया। नगर के प्रमुख और व्यस्ततम मार्ग जिससे लगभग 5 हजार लोग प्रत्यक्ष रूप से जेसे नगरपालिका, सरकारी स्कुले, निजी शिक्षण संस्थान, ग्राउंड, वॉर्ड 1 में स्थित सबसे बड़ी कॉलोनी व अस्पताल और नगर को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग के बीच पुलिया सकड़ा होने की वजह से नवीन अध्यक्ष ने इसकी चिंता जताई थी। इस कार्य को प्रारंभ करने के लिए उन्होंने आज अजजा मोर्चा प्रदेष अध्यक्ष कलसिंग भाभर की मोजुदगी में श्रीफल अर्पित कर कार्य प्रारंभ किया। जिसमे नगर की नल-जल योजना की पाइपलाइन हटाने के साथ कार्य को करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस कार्यक्रम में अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर द्वारा बताया गया कि, भारतीय जनता पार्टी की सरकार एचडीआरएफ का स्पेशल फंड है जिससे नगर को दो ब्रिज मिले थे और ग्रामीण लोगों के अस्पताल आने-जाने और पूरे नगर को सरकारी संस्थाओं से जोड़ने का यह प्रमुख मार्ग है, बहन लक्ष्मी पणदा ने निर्णय लिया है की सबसे जरूरी कार्य पहले पुर्ण होना चाहिए जो की नगर के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

दोस्त की पत्नी को सांप से डसवाने वाला आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर। दोस्त की पत्नी को सांप से डसवाने वाला 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी को वायडीनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया। वह 7 महीने से फरार था। 8 मई को फरियादी हलीमा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका पति मोजिम अजमेरी, देवर काला उर्फ मंजूर, रमेश निवासी नीमच तथा अन्य 2 लोगों ने जान से मारने की नीयत से जहरीले सांप से डसवाया। मामले महिला के पति सहित 4 आरोपियों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी थी। आरोपी रमेश पिता मांगीलाल रावत मीणा पीड़ित महिला के पति मोजिम अजमेरी का दोस्त है। इसी ने जहरीले सांप की व्यवस्था की थी। पुलिस के अनुसार पत्नी से परेशान मोजिम हलीमा की हत्या करना चाहता था लेकिन हत्या एक हादसा लगे और मामला पुलिस तक न पहुंचे। इसके लिए जहरीले जानवर से कटवाकर पत्नी की हत्या का प्लान बनाया था। इसमें पति का दोस्त रमेश सांप के मामले में एक्सपर्ट था। वही जहरीला सांप लेकर मंदसौर पहुंचा था। रात में जब सब सो गए तो उसने थैली से सांप निकालकर दोस्त की पत्नी हलीमा को डसवा दिया। पत्नी ने पिता को फोन कर बुलाया और जिला अस्पताल में भर्ती हुई। इसके बाद गंभीर हालत में राजस्थान के उदयपुर में इलाज किया गया। मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच शुरू की है।

पूर्व सरपंच के परिवार पर विधवा महिला ने लगाए प्रताड़ित करने का आरोप

वीडियो उपलब्ध करवाने के बाद भी नहीं कर रही पुलिस कार्रवाई

माही की गूंज, बामनिया।

समीपस्थ ग्राम रामपुरिया की संतोष पति स्व. लालु कटारा ने बामनिया चौकी में रिर्पोट दर्ज कर पूर्व सरपंच और एक शिक्षक पर प्रताड़ित कर मारपीट का आरोप लगाया है। महिला ने रिर्पोट में बताया कि, 4 दिसम्बर 2022 को दोपहर 3 बजे के करीब घर की सफाई कर रहे थे कि, विपक्षी द्वारा गाली-गलोच कर पत्थर मारने लगे व मकान को झाडी व काटे लगा कर बन्द कर दिया जिसका मोबाईल फोन से रिकार्डीग कर विडियो बनाया गया है जो साफ दिख रहा है। जिसमें विरोधी पक्ष द्वारा मुझ बेवा को केसे परेशान किया जा रहा है। विपक्षी अशोक निनामा जो कि, शासकीय शिक्षक है उसने मुझे व मेरे पुत्र को कहता हैं कि, कितनी भी रेकार्डीग कर ले कोई फरक नहीं पड़ाता। पटवारी एवं सरपंच हमारे कहने पर चलते है तथा गाली-गलोच की। अशोक की माँ हिरकी मानसिंग निनामा द्वारा पत्थर लेकर मुझे व मेरे पुत्र को मारने के लिये आई। जिसकी भी रिकार्डिंग मेरे पुत्र द्वारा की गई है महिला ने बताया। महिला का आरोप है कि, मानसिंह निनाम जो की राजनितिक व धन-बल से मुझ बेवा को परेशान कर रहा है। राजनिति के जोर से अधिकारीयों पर दबाव डाल कर जेल कराने की धमकी भी दी जा रही है।

मकान हटाने की धमकी

महिला ने शिकायत में बताया कि, पूर्व सरपंच का परिवार मेरा मकान यहां से हटा लेने के लिए दबाव बना रहे हैं और अशोक बोल रहा कि, ये सरपंच भी हमारा है व विधायक भी हमारा है तुम्हारा पता भी नहीं चलेगा जान से मारे जाओगे। मामले की शिकायत पुलिस चौकी बामनिया पर दी गई प्रमाण के रूप में विवाद के वीडियो भी उपलब्ध करवाए जिंसमे विपक्षी गाली-गलौच ओर मारपीट करते दिख रहे हैं लेकिन शिकायत पर पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई महिला द्वारा उक्त मामले की शिकायत एसडीम को भी की है।

इस जमीन के लिए हो रहा विवाद जिस पर पीड़ित विधवा महिला का मकान बना हुआ है।

राशन के लिए भटक रही बुज़ुर्ग महिला

मशीन पर फिंगर नही आने से नही मिल रहा अनाज, अंत्योदय के राशनकार्ड पर सिर्फ 5 किलो अनाज

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत केशरपुरा की 70 वर्षीय हुकलीबाई वसुनिया इन दिनों तहसील कार्यालय के चक्कर लगा रही है ओर दुकान-दुकान जा कर मशीन पर अनूठे का निशान नही आने के कारण अनाज नही मिलने का बोल कर, थम निशान सही करने का बोल रही है। जानकारी ली तो पता चला बुजुर्ग महिला के पास अंत्योदय क्रमांक 21953 का राशनकार्ड है। उक्त योजना में हितग्राही परिवार को 35 किलो अनाज का प्रावधान हैं, लेकिन बुजुर्ग महिला के अनुसार उसे केवल 5 किलो अनाज मिल रहा है वो भी विगत डेढ़ वर्ष से बन्द है। महिला ने बताया कि, सोसाइटी पर अनाज लेने जाने पे सेल्समेन द्वारा मशीन पर निशान नही आने का बोलकर अनाज देने से मना कर दिया जाता है और पंचायत में जाने को कहा जाता है। वही ग्राम पंचायत सरपंच ओर सचिव से पूछने पर उनके द्वारा तहसील में भेजा जाता है, लेकिन यहां कोई जानकारी नही देता है।

थम नही आने पर भी अनाज देने का प्रावधान

ग्रामीण इलाकों में कई लोगो के फिंगर मशीन पर निशान नही आ पाते। खासकर बुजुर्ग और कामगार मजदूरों की जिनके उंगलियों के निशान घिस जाने के कारण फिंगर नही आते। ऐसे लोगो को अनाज समय पर मिल जाये, शासन द्वारा इसकीं भी व्यवस्था कर रखी है लेकिन सोसाइटी ओर ग्राम पंचायत द्वारा ऐसे हितग्राहियों की सूद नही ली जा रही है जिसके कारण अनाज नही मिल पाता। दूसरी ओर हितग्राही जानकारी के अभाव में भटकता रहता है।

विकास कार्यों में हुए भ्रष्टाचार का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

लगातार शिकायतों के बाद भी स्थानीय अधिकारी दबा रहे भ्रष्टाचार

माही की गूंज, झकनावदा।
आनंद सिंह सोलंकी

पेटलावद तहसील के अंतर्गत आने वाली उप तहसील झकनावदा इन दिनों जिले में पूर्व में विकास कार्यों में हुए भ्रष्टाचार के मामले में सुर्खियां बटोर रही है। यहां पर तत्कालीन सचिव एवं सरपंच द्वारा शासन की जन हितेषी योजनाओं मनरेगा, पंच परमेश्वर योजना, सुदूर सड़क निर्माण योजना, निस्तार तालाब योजना, कपिलधारा कूप निर्माण, चेक डैम निर्माण, सीसी रोड निर्माण, पशु शेड निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी अनेक महत्वाकांक्षी एवं जन हितेषी योजनाओं में खुलकर लाखों रुपए का सरकार को चूना लगाया गया। मामले को लेकर जागरूक ग्रामीण ने तत्कालीन जिला कलेक्टर, तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ को दिनांक 16 अक्टुम्बर 2022 को एवं बाद में जनपद पेटलावद सीईओ को भी एक आवेदन दिया। उसके बाद भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीण जागरूक लोगों ने सीएम हेल्पलाइन की शरण ली। वहां पर शिकायत की। वहां पर भी लेवल एल 4 तक शिकायत पहुंच जाने पर केवल जनपद सीईओ का आश्वासन ही मिला। उसके बाद जागरूक ग्रामीणों ने सूचना के अधिकार में पंचायत के विकास कार्यों की जानकारी पंचायत से मांगी। उन्हें भी आधी-अधूरी जानकारी दी गई।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण के लिए जनपद सीईओ द्वारा दल गठित

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए सर्वप्रथम 1 अक्टुम्बर 2022 को जनपद सीईओ द्वारा दल गठित किया गया। दल में एपीओ, बीपीओ और पीसीओ शामिल हुए। दल ने शिकायत कर्ताओं के साथ स्थान का मौका मुआयना किया। जिसमें दल ने पाया कि, रोड गुणवत्ताहिन एवं रोड में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। साथ ही शिकायतकर्ता ने अटल कांपलेक्स की भी शिकायत की जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि, नवीन अटल कॉन्प्लेक्स जो पंचायत द्वारा बनाए गए हैं। उसकी भी सार्वजनिक विधिवत नीलामी नहीं की गई। एवं पंचों द्वारा ही आपस में बंदरबांट कर ली गई। दल ने पाया कि, यहां पर दुकानों की नीलामी को लेकर गड़बड़ी हुई है। दल ने कहा कि, इसकी भी सार्वजनिक नीलामी की जाएगी। इसके अलावा आजिविका मिशन भवन जो बनाया गया है वह भी शिक्षा विभाग की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करके बनाया गया। दल ने पाया कि, इस कार्य में अनियमितता पाई गई है। यह जांच का विषय है। उन्हें शिकायतकर्ता को लिखित मे एक पंचनामा साइन करवा कर दिया गया। इसके बाद मीडिया में

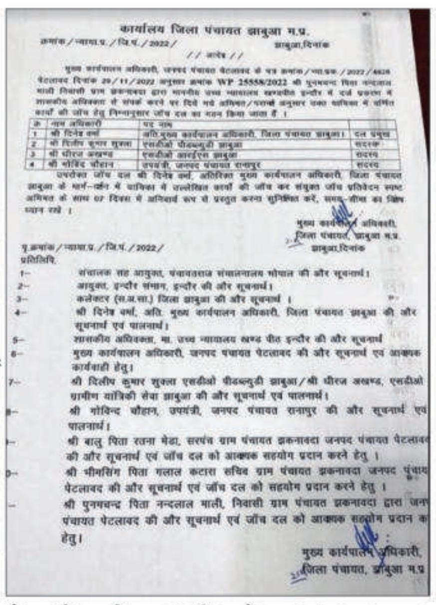
कार्यालय जिला पंचायत झाबुआ म.प्र.
क्रमांक/न्याय.प्र./वि.प./2022/ झाबुआ,दिनांक
// आदेश //

क्र	नाम अधिकारी	पद नाम	
1	श्री दिनेश वर्मा	अति.मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ।	दल प्रमुख
2	श्री दिलीप कुमार शुक्ला	एसडीओ पीडब्ल्युडी झाबुआ	सदस्य
3	श्री धीरज अखण्ड	एसडीओ आरईएस झाबुआ	सदस्य
4	श्री गोविंद चौहान	उपयंत्री, जनपद पंचायत रानापुर	सदस्य

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, झाबुआ म.प्र.

पृ.क्रमांक/न्याय.प्र./वि.प./2022/ झाबुआ,दिनांक
प्रतिलिपि,

भी इसकी खबर आई। इसके बाद जांच दल वापस 27 अक्टूबर 2022 को जांच हेतु झकनावदा आया। उसने भी जो शिकायतकर्ता बाकी रह गए थे। अपना निराकरण कराने के लिए उनकी शिकायतों का मौका मुआयना किया गया। परंतु इसमें जांच दल ने पंचनामा लिखित में शिकायतकर्ता को नहीं दिया। इसके बाद फिर 11 नवम्बर 2022 को जनपद पंचायत पेटलावद सीईओ ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की जांच हेतु फिर एक दल गठित किया। दल में प्रमुख रूप से एसडीओ अलावा, पंचायत इंस्पेक्टर ज्ञान सिंह चौहान, इंजीनियर ठाकुर, तत्कालीन सचिव भीम सिंह कटारा थे। जिसमें दल ने सीसी रोड जो कि, मडु के घर से प्रकाश चौहान के घर तक बना है और जो दोबारा बना है। उसका मौका मुआयना किया गया। जिसमें दल ने पाया कि, यह रोड पूरी तरह से जिनसे हो चुका है और इसमें भी घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है और रोड

गुणवताहिन बना है। इसके बाद दल शिकायतकर्ताओं के साथ हाट बाजार में पहुंचा। जहां पर दल ने पाया कि, हाट बाजार में कोई दुकान निर्माण नहीं किया गया। कार्य केवल कागजों पर ही हुआ है और राशि आहरण कर ली गई, इसमें भी खुलकर भ्रष्टाचार हुआ है। उसके बाद जांच दल ने चार सीसी रोड जो केवल कागजों पर ही बने है, चारों जगह निरीक्षण करने पर दल ने पाया कि, यहां पर कोई रोड नहीं बनाया गया और 10 लाख 50 हजार रुपए की राशि आहरण कर ली गई। इसके बाद शिकायतकर्ता के साथ दल 8 चेक डेम का निरीक्षण करने पहुंचा। जहां पर दल ने पाया कि, लेवल 3 चेक डैम बनाए गए हैं और वह भी गुणवत्ताहीन बनाया गये। जिसमें घटिया सामग्री का उपयोग किया गया और जो एक बनाया गया है वह भी बखतपुरा पंचायत में आता है और दो झकनावदा पंचायत में बनाया गये। इसके अलावा पांच बने नहीं और राशि आहरण कर ली गई। इसके बाद दल वृक्षारोपण की शिकायत का मौका मुआयना करने पहुंचे। जहां पर दल ने पाया कि, यहां तो सिर्फ गड्ढे खुदे है पौधे दिखाई नहीं दे रहे हैं, 4 लाख के लगभग राशि का आहरण कर लिया गया। इसमें भी शिकायतकर्ता को कोई लिखित में पंचनामा साइन करके नहीं दिया गया। शिकायतकर्ता द्वारा पंचनामा मांगने पर उन्होंने कहा कि, अभी जांच बाकी है। जांच पूरी हो जाएगी उसके बाद आपको पूरी जांच रिपोर्ट की कॉपी दी जाएगी। केवल खानापूर्ति के लिए एसडीओ के द्वारा मोबाइल में वीडियो बनाकर ही साक्ष्य के रूप में रखा गया।

मजबूर होकर गांव के जागरूक ग्रामीण पहुंचे हाई-कोर्ट इंदौर

इतना कुछ करने के बाद भी ग्रामीणों को केवल आश्वासन के अलावा कुछ भी नहीं मिला। तो मजबूर होकर ग्रामीणों ने उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में पंचायत के खिलाफ एक याचिका लगाई। जिसमें उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर ने एक नोटिस जिला पंचायत झाबुआ में जिला पंचायत सीईओ को दिया गया। जिसके तारतम्य में जिला पंचायत सीईओ ने विकास कार्य में हुए भ्रष्टाचार की जांच हेतु 4 सदस्यीय दल का गठन किया। जिसमें एडिशनल सीईओ दिनेश वर्मा, एसडीओ झाबुआ पीडब्ल्यूडी विभाग दिलीप कुमार शुक्ला, एसडीओ आरईएस झाबुआ धीरज अखंड एवं उपयंत्री जनपद पंचायत राणापुर गोविंद चौहान को सम्मिलित किया। सात दिवस याचिका में उल्लेखित कार्यों की जांच कर संयुक्त जांच कर प्रतिवेदन स्पष्ट अभिमत के साथ अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें का आदेश दिया समय का विशेष ध्यान रखें। दल की पूरी जांच में एक बात खुलकर सामने आई कि, इस जांच में तत्कालीन सरपंच को जांच से दूर रखा गया उसे नहीं बुलाया गया। तो केवल एक ही जांच में तत्कालीन सचिव को भी बुलाया गया।

शराब दुकान पर बेची जा रही एक्सपायर डेट की बीयर, पूर्व में सामने आचुका है मामला

बेलाग ठेकेदार, वैध के नाम पर कुछ भी ओर कही भी परोस सकता है अवैध शराब

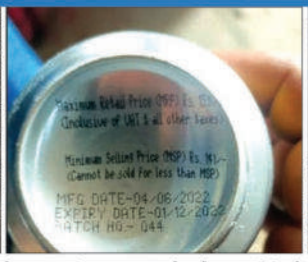

माही की गूंज, पेटलावद।

यहां वैध शराब दुकान पर एक्सपायर डेट की शराब बीयर मिलने का मामला सामने आया है। हालांकि ये पहली बार नही है कि, शराब ठेकेदार द्वारा एक्सपायर शराब या प्रिंट रेट से अधिक शराब बेचने के साथ-साथ क्षेत्र भर में अवैध शराब के मामले सामने आने के बाद भी कोई कार्रवाई नही की गई। बुलंद हौसलों के साथ ठेकेदार लगातार एक्सपायर शराब बेचकर प्रशासन को चुनौती दे रहा है। सोमवार 5 दिसम्बर को पेटलावद-थांदला मार्ग की शराब दुकान पर बीरा बूम कम्पनी की बियर टीन खरीदी, जिस पर एक्सपायर डेट 1 दिसम्बर 2022 लिखी हुई जो बेची जा रही है, इससे पहले रूपगढ़ रोड स्थित शराब दुकान पर भी एक्सपायर शराब बेचने का वीडियो सामने आया था। हालांकि मामले की कोई लिखित शिकायत सम्बधित अधिकारी या पुलिस को नही होने से कोई कार्रवाई नहीं की जाती, लेकिन आबकारी विभाग को मामले संज्ञान आने के बाद भी कार्रवाई नही होती ये बड़ी बात है।

सीसीबी में बचत पखवाड़ा मनाया, वरिष्ठ नागरिकों का किया सम्मान

माही की गूंज, सारंगी। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा सारंगी में बचत पखवाड़ा कार्यक्रम मनाया गया बचत पखवाड़ा दिनांक 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक रहेगा। क्षेत्रीय अधिकारी पारसिंह मुनिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया, अमानतो पर अन्य बैंकों से अधिक ब्याज का लाभ दिया जाएगा इसका ज्यादा से ज्यादा अमानतदार लाभ लेवे, वरिष्ठ नागरिकों को एक परसेंट अतिरिक्त ब्याज बैंक द्वारा दिया जाएगा। बचत पखवाड़ा कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों का हारफुल पहनाकर सम्मान भी किया गया। इस कार्यक्रम में जिला सहकारी बैंक के क्षेत्रीय अधिकारी पारसिंह मुनिया, शाखा प्रबंधक संजय रोहित सिंह, शाखा पर्यवेक्षक राम प्रकाश त्रिपाठी, सोसाइटी प्रबंधक विजेंद्र उपाध्याय, मनोहर लाल वर्मा, अन्नूसिंह गामड़, गेंदालाल पाटीदार, लक्ष्मीनारायण पाटीदार, शाखा केसियर मनोज पाटीदार, बल बहादूरसिंह राठौर, अशोक रैकवार, धनसिंह नायक, गोवर्धनलाल डामर, आनंदीलाल वर्मा खातेदार एवं बैंक स्टाफ उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत कथा का समापन आज

माही की गूंज, पारा।

स्थानीय बस स्टैंड पर भागवत कथा समेती द्वारा श्री मद भागवत कथा का आयोजन रखा गया। कथा प्रारंभ के पहले दिन गाजे-बाजे के साथ पारा राम मंदिर से भागवत जी का पारा ग्राम में शोभा यात्रा निकाली गई। नगर की प्रमुख गलियों से होते हुए पारा बस स्टैंड से कथा पंडाल पहुची। पारा नगर के मुख्य धरा पर संगीतम्य श्रीमद भागवत कथा का आयोजन 1 दिसम्बर से प्रारंभ होकर आज रात्री 10 बजे से तक चलेगा। विशेष आग्रह रामायण मंडल व आयोजन सर्व हिन्दू समाज पारा द्वारा किया गया। कथा के साथ बेहतरीन भजनों की प्रस्तुति, कथा वाचक श्री परम पूज्य पंडित अशोकानन्द जी महाराज अमरगढ़ वाले के मुख बिंद से कथा का वाचन किया जा रहा है। संगीतम्य कथा मे एक से बढ़कर एक बेहतरीन भजनों की प्रस्तुति दी गई है। कथा मंडल के साथ पधारे साज-बाज के कलाकारों द्वारा अच्छा प्रदर्शन दिया गया। कलाकारों द्वारा संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी गई। कथा पंडाल को रोज़ाना अलग-अलग आकर्षक सजावट की गई। कथा प्रारंभ से ही भक्तो का तात देखने को मिला। कृष्णा जन्म उत्सव के श्रुभ अवसर पर पालकी में सवार कृष्ण भगवान की पालकी उठा ते हुए वासुदेव जी यमुना पार करते हुए कलाकार द्वारा किरदार निभाया। कृष्ण भगवान का स्वांग शिव बसेर व वासुदेव जी का स्वांग मनोज सोनी ने रचा, तत पश्यात भगवान श्री कृष्ण की आरती उतारी गई व प्रसादी वितरण की गई। जिसका लाभार्थी

स्वर्णकार समाज पारा रहा।

भजनों पर श्रोता झूम उठे

कथा के शूभ अवसर पर पारा नगर व आस-पास के क्षेत्रों से आए लोग द्वारा कथा को श्रवण कर अनांद लिया। साथ ही बेहतरीन संगीतमय भजनों पर श्रोता छोटे से लेकर बड़े बुजर्गो तक भजनों पर झूम उठे, कथा के दौरान सोमवार को छप्पन भोग लगाकर अंकुट का आयोजन किया गया। अंतिम दिन आज कथा का समापन होगा।

डॉ. अम्बेडकर की पुण्य तिथि पर किया संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजन

माही की गूंज, पेटलावद।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा शासकीय महावीर महाविद्यालय पेटलावद में डॉक्टर भीमरावराम अम्बेडकर जी की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी कार्यक्रम किया गया एवं समरसता यात्रा निकालकर भीमराव अम्बेडकर जी का माल्यार्पण किया गया। जिसमे एबीवीपी विभाग संयोजक द्वारा दिप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमे विद्यार्थी परिषद के विभाग संयोजक विनय चौहान मुख्य वक्ता रहे, विभाग संगठन मंत्री राकेश जी सहरिया, विस्तारक रोहित सिंह, कॉलेज छात्रा प्रमुख राजकुमारी बिलवाल, रितिका पांचाल, सहमंत्री पवन हटिला, भप्पू सिंह मेड़ा तथा अन्य कार्यकर्ता तथा कॉलेज के प्राध्यापक घनश्याम जी बैरागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार रितिका पांचाल ने माना।

बाबासाहेब प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन पुष्प किये अर्पित

विश्वरत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 66 वी पुण्यतिथि पर पेटलावद नगर के नई बस्ती पर स्थित बाबासाहेब प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित कर बाबासाहेब को नमन किया गया एवं बाबासाहेब के पुण्यतिथि पर उनके विचारों पर चर्चा की गई। श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित करते समय डॉ अंबेडकर राष्ट्रीय युवा संघ के जिला अध्यक्ष मुकेश सिसोदिया, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष जगदीश जाटव, समग्र अनुसूचित जाति, जनजाति समाज के जिला अध्यक्ष मनोज परमार, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष विनोद भंडारी, नेमालाल मेहसन, बलदेव सिंह राठौड़, विहिप प्रखंड अध्यक्ष सुनील खोडे आदि भीम अनुयाई उपस्थित थे।

विकास कार्यों की जो उम्मीद नागरिकों ने की है, कहीं झूठी साबित ना हो जाए

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

नवीन नगर परिषद में युवा, ऊर्जावान अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदों की बड़ी फ़ौज है। यह लोग अपने सामर्थ्य और आत्मविश्वास का उपयोग कर नगर के हित में कई कार्य कर सकते है। वही भाजपा समर्थित परिषद की बात यह भी है कि, राज्य और केंद्र में भाजपा समर्थित सरकारें हैं। ऐसे में विकास कार्यों के लिए 'फंड' की भी कोई कमी नहीं आनी चाहिए। लेकिन वर्तमान परिषद को देखकर लगता है बड़े-बड़े चुनावी वादे कर सत्ता में आते ही पदाधिकारियों के रंग ओर तेवर दोनों ही बदल रहे है।

बात करते है मूलभूत सुविधाओं की

परिषद का गठन सितंबर माह में हो चुका था। गठन होने के कुछ ही दिनों बाद आम नागरिकों ने नगर के मुख्य मार्गों के अतिक्रमण का मुद्दा नवीन परिषद के सामने उठाया था। मुद्दा उठने के बाद परिषद के पदाधिकारियों ने मीडिया से कहा था कि, अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर अतिक्रमण हटाया जाएगा। लेकिन परिषद की उदासीनता की हद यह हो चुकी है कि, 32 दिनों से अधिक दिन गुजर जाने के बाद भी अतिक्रमणकारियों को नोटिस तक नहीं दिया गया। पूरी स्थितियां देखकर यह लग रहा है कि, नवीन परिषद ने धन्ना सेठों के आगे अपने घुटने टेक दिए हैं।

मार्गों पर इस तरह से फैल चुका है अतिक्रमण, नासूर बन गया है आवारा मवेशी का मुद्दा

नगर के लिए नासूर बन चुकी आवारा मवेशियों की समस्या भी परिषद गंभीरता से नहीं ले रही है। आवारा मवेशियों की कुश्तियां नगर में आम हो चुकी है। इन खुशियों में दो पहिया, चार पहिया वाहनों की टूट-फूट हो जाती है। वही राहगीर भी घायल हो जाते हैं। बावजूद इसके परिषद ने अब तक कोई सुध नहीं ली है।

साप्ताहिक हाट बाजार का स्थान परिवर्तित करना

नगर का मुख्य मुद्दा बन चुका है, साप्ताहिक हाट बाजार का स्थान के लिए परिषद अभी भी नवीन जगह ही खोज रही है। 111 गांवों के बीच सबसे बड़े शासकीय अस्पताल के प्रांगण में साप्ताहिक हाट बाजार लग रहा है। इस दौरान पल-पल जाम की स्थिति बनती है। साप्ताहिक हाट बाजार में नगर के अलावा आसपास से बड़ी संख्या में व्यापारी अपना व्यापार करने के लिए आ रहे हैं। शासकीय अस्पताल प्रांगण में लगने वाले हैं, इस साप्ताहिक हाट बाजार से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज, उनके अटेंडरों, एंबुलेंस, जननी एक्सप्रेस जैसे जरूरी वाहनों को भी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ रहा है। भीड़भाड़ के चलतें कई बार एंबुलेंस देरी से अस्पताल पहुंचती है। ऐसे में मरीज की जान पर भी बन आती है।

शासकीय अस्पताल प्रांगण में साप्ताहिक हाट बाजार लगने से होती है असुविधाएं

वही नागरिकों का मानना है कि, परिषद को उक्त तीनों ही मामले गंभीरता से लेने चाहिए नगर हित के लिए कुछ कठोर कदम भी नवीन परिषद को उठाने पड़ेंगे। नगर के प्रमुख मार्गो पर यातायात से लम्बा जाम लगता है। सब्जी मंडी से लगाकर पिपली चौराहा, एमजी रोड से लगाकर तेजाजी मंदिर तक पहुंचने में एक घंटे तक का समय लग जाता है। जाम की समस्या पर ध्यान न तो पुलिस को है और न नगर परिषद को है।

नगर परिषद में कुछ पुराने लोग अपनी रोटी सेंकने का काम कर रहे हैं और भूमाफियाओं को लाभ पहुंचाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। जहां विकास करना चाहिए वहां काम न करके ऐसी जगह विकास किया जा रहा है जहां बस्ती ही नहीं है और खुद की जेब भरकर भूमाफियाओं को लाभ पहुंचाने का काम कर रहे है।

संपादकीय

मुफ्त के लुत्फ पर इंसानियत भी होती शर्मसार

मानवीय मूल्यों में गिरावट का चरम तब उजागर हुआ जब एक सड़क दुर्घटना में घायल ट्रक चालक की मदद के बजाए लोग ट्रक में भरी सेब की एक हजार से अधिक पेटियां लूट ले गए। चालक चीखता रहा, राहगीर व ग्रामीण सेब की पेटियां लूटते रहे। पंजाब के फतेहगढ़ साहब में जीटी रोड पर स्थित गांव राजेंद्रगढ़ के निकट कार को बचाने के प्रयास में एक सेब से भरा ट्रक पलट गया। घायल चालक व परिचालक प्राथमिक उपचार के बाद लौटे तो देखा कि ट्रक में लदी सेब की पेटियां लूटी जा रही हैं। चालक के अनुसार, ट्रक पलटने से 100 के करीब ही पेटियां बाहर गिरी थी, लेकिन राहगीर व ग्रामीण बारह सौ से अधिक पेटियां लूट ले गए। अमृतसर निवासी चालक जम्मू-कश्मीर से ट्रक में सेब भरकर ओडिशा-झारखंड ले जा रहा था। चालक बार-बार ऐसा न करने की दुहाई देता रहा। कहता रहा कि, वह मालिक को क्या जवाब देगा। लेकिन किसी ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया। यहां तक कि रास्ते से गुजरते बड़ी गाड़ियों में सवार लोग भी पेटी लूटने का लोभ नहीं त्याग सके। मगर जब किसी राहगीर द्वारा घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया तो वह वायरल हो गया। देश ही नहीं, कनाडा-अमेरिका से इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। देश-दुनिया के पंजाबियों ने वीडियो देखकर घटना को शर्मसार करने वाला माना। सभी ने घटना की भर्त्सना की और ट्रक चालक की मदद की पेशकश की। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। सरकार ने भी कहा कि, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वीडियो में देखे गए लोगों के फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों से उनके बारे में सूचना देने को कहा गया। शाम होते-होते लूट में शामिल कुछ लोगों की शिनाख्त की गई। यही नहीं, घटना से व्यथित लोग सामने आए और ट्रक चालक के नुकसान की भरपाई के लिए चेक देकर सार्थक पहल की।

सवाल उठता है कि, क्यों खाते-पीते घरों के लोग 'मुफ्त का चंदन, घिस रघुनंदन' की तर्ज पर सेब की पेटियां लूटने पर आमादा हुए...? क्यों उन्हें महसूस नहीं हुआ कि दुर्घटना के शिकार चालक व परिचालक की मदद पहले करनी चाहिए...? वह भी उस पंजाब में जहां इस तरह के कृत्य को कभी मान्यता नहीं दी गई। जहां भूखों को खाना खिलाने की समृद्ध परंपरा रही है। ऐसा नहीं है कि ऐसी घटना सिर्फ पंजाब में हुई है, देश के विभिन्न राज्यों से गाहे-बगाहे ऐसी ही घटनाओं के वीडियो वायरल होते रहते हैं। सवाल उन महंगी कार चालकों की नीयत पर भी उठे जिन्होंने कार रोक सेब की पेटियां उठाई और चलते बने। आखिर समृद्ध लोग भी 'लूट की छूट' के खेल में क्यों शामिल हो जाते हैं...? यह जानते हुए कि ट्रक चालक एक तरफ तो शारीरिक रूप से घायल हुआ है, दूसरी ओर उसकी नौकरी व साख पर भी आंच आएगी। चालक रोता-गिड़गिड़ाता लोगों से कहता भी रहा कि, मैं व्यापारी को क्या जवाब दूंगा...? मैं क्या सबूत दूंगा कि मेरा माल चोरी हो गया...? मुझे झूठा ठहरा दिया जाएगा। यहां हमें सोशल मीडिया को भी श्रेय देना होगा जिसने लूट के खेल को जगजाहिर कर दिया। अन्यथा जीटी रोड के एक गांव के पास घटी घटना का सच कभी सामने न आता। व्यापारी के मन में ट्रक चालक को लेकर शंका जन्म लेती कि कहीं उसने ट्रक का माल किसी दूसरे व्यापारी को तो नहीं बेच दिया। नि:संदेह, ज्यों-ज्यों समाज में समृद्धि व संपन्नता आई है, लोगों का अंतहीन प्रलोभन थम नहीं रहा है। यही वजह है कि, पंजाब के प्रबुद्ध और जागरूक लोगों में इस घटना की तीखी प्रतिक्रिया भारत व सात समुद्र पार भी देखी गई। उन्होंने इस घटना को पंजाब की अस्मिता पर दाग माना और मदद की पेशकश भी की। यह घटना हमें कई सबक देकर जाती है। बताती है कि, हमारी भौतिक उन्नति तब तक सारहीन है जब तक हमारे व्यवहार में मानवीय मूल्य जीवंत नहीं होंगे। इंसानियत का पराभव हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

दिखने लगे जलवायु संकट के घातक संकेत

मुकुल व्यास

दुनिया में जलवायु से संबंधित आपदाओं की संख्या बढ़ रही है। आपदाओं के कारण मानवीय पीड़ा ऐसे स्तरों पर पहुंच चुकी है जिनकी मात्रा निर्धारित और कल्पना करना मुश्किल है। आपदाएं बढ़ने के साथ-साथ लोगों की मुसीबतें भी तेजी से बढ़ती रहेंगी। अब हमारे सामने एक कठोर विकल्प ही बचा है। या तो हम अपने जीवन जीने और ग्रह के साथ व्यवहार करने के तरीके में त्वरित और सार्थक परिवर्तन करें, या फिर वैश्विक सामाजिक पतन की बहुत वास्तविक संभावना का सामना करें। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों के एक दल ने पर्यावरण संकट की गंभीरता को रेखांकित किया है और चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन दर्शाने वाले 35 'महत्वपूर्ण संकेतों' में से 16 अब लाल (कोड रेड) हो गए हैं। कोड रेड का मतलब यह है कि ये संकेत अपने चरम पर पहुंच गए हैं।

अमेरिका की ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी के पारिस्थितिकीय विज्ञानी क्रिस्टोफर वुल्फ ने कहा कि, जलवायु आपदाओं में वार्षिक उछाल से स्पष्ट है कि अब हम एक बड़े जलवायु संकट के मध्य खड़े हैं। अगर हम चीजों को उसी तरह से करते रहेंगे जैसा हम उन्हें कर रहे हैं तो आने वाले समय में स्थिति और भी बदतर होगी। वुल्फ ने साथी वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि वे जलवायु और पर्यावरणीय संबंधी निर्णय लेने के लिए अनुसंधान-आधारित दृष्टिकोणों की वकालत करने में हमारे साथ शामिल हों। वैज्ञानिकों के दल ने जिन महत्वपूर्ण बिंदुओं की तरफ इशारा किया है, उनमें अत्यधिक गर्मी की घटनाओं में वृद्धि, वैश्विक वृक्षों के आवरण का लगातार कम होना और मच्छर जनित डेंगू वायरस के अधिक मामले शामिल हैं। वृक्षों के आवरण के घटने में जंगल की आग प्रमुख भूमिका निभा रही है।

वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर का भी मुद्दा है जो रिकॉर्ड रखे जाने के बाद अब अपने उच्चतम स्तर पर है। इस समय इस गैस का स्तर 418 भाग प्रति दस लाख है। इस बीच, 2022 सबसे गर्म वर्षों में से एक होने की राह पर है। शोधकर्ताओं द्वारा ट्रैक किए गए जलवायु परिवर्तन के अन्य

महत्वपूर्ण संकेतों में सतह के तापमान की विसंगतियां, अंटार्कटिका के बर्फ के द्रव्यमान में परिवर्तन, समुद्र की अम्लता और अमेरिका में आई भीषण बाढ़ शामिल हैं जिसकी सफाई के लिए कम से कम एक अरब डॉलर की लागत आई है। रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन से संबंधित कई घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है जो इस वर्ष हुई हैं। उदाहरण के तौर पर यूरोप में 500 वर्षों में सबसे भीषण सूखा, आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर रिकॉर्डतोड़ बारिश, भारत और पाकिस्तान में घातक लू, पश्चिम एशिया में व्यापक धूल भरी आंधियों और अमेरिका में आई भयंकर बाढ़ का उल्लेख किया जा सकता है जिसने येलोस्टोन नेशनल पार्क में सड़कों को नष्ट कर दिया। जलवायु परिवर्तन एक अकेला मुद्दा नहीं है।

बांग्लादेश के पर्यावरण विज्ञानी सलीमुल हक ने कहा, यह प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग की एक बड़ी समस्या का हिस्सा है जहां मनुष्य की मांग जीवमंडल की पुनरुत्पादक क्षमता से अधिक है। अधिक मानवीय पीड़ा से बचने के लिए प्रकृति की रक्षा करने और अधिकांश जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन को समाप्त करने की आवश्यकता है। साथ ही हमें कम आय वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए सामाजिक रूप से उचित जलवायु अनुकूलन का समर्थन करना चाहिए। विशेषज्ञों ने 2100 तक 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की भविष्यवाणी की है। ऐसा तापमान स्तर ग्रह ने 30 वर्षों से नहीं देखा है। हालांकि, बार-बार चेतावनियों के बावजूद कई रुझान अब भी गलत दिशा में जा रहे हैं।

शोधकर्ताओं ने जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए अधिक कार्रवाई करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए 'द साइंटिस्ट वार्निंग' नामक 35 मिनट की एक डॉक्यूमेंट्री बनाई है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि अधिक से अधिक वैज्ञानिक अब तत्काल कार्रवाई के बारे में एक मजबूत रवैया अपनाएंगे। अब भी उम्मीद बरकरार है। शोधकर्ताओं ने कहा कि आज जलवायु संकट पर बोलने वाले वैज्ञानिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वे भावी पीढ़ियों की खातिर ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए तुरंत बड़े पैमाने पर कार्रवाई करने का आग्रह कर रहे हैं। जिस तरह से दुनिया के विभिन्न देशों में प्रचंड लू चली है, जंगलों में आग लगी है और तूफान आए हैं, उससे स्पष्ट है कि आने वाले समय में दुनिया को जलवायु परिवर्तन के और उग्र प्रभाव देखने पड़ेंगे। अतः यह जरूरी है कि विभिन्न देश जलवायु संबंधी वादों को यथासंभव पूरा करें।

इस बीच, एक अन्य अध्ययन में कहा गया है कि, जलवायु परिवर्तन को रोकने के दुनिया के देशों द्वारा दिए गए मौजूदा वचन 2015 के पेरिस समझौते के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपर्याप्त हैं। ग्लोबल वार्मिंग 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर जाएगी। लेकिन निराशाजनक दिखने वाले परिदृश्य में एक आशा की किरण भी दिखाई देती है। अमेरिकी वैज्ञानिकों के नेतृत्व में नई रिसर्च के अनुसार जलवायु से संबंधित अधिक महत्वाकांक्षी संकल्पों को अपनाकर और तेजी से कार्बन में कमी करके दुनिया के देश गर्म दुनिया में बिताए समय को कम कर सकते हैं। हम अगले कुछ दशकों में 1.5 डिग्री की सीमा को पार करने जा रहे हैं। इसका मतलब है कि हम 1.6 या 1.7 डिग्री या उससे ऊपर जाएंगे और हमें इसे 1.5 पर वापस लाने की आवश्यकता होगी। लेकिन हम इसे कितनी तेजी से नीचे ला सकते हैं, यह महत्वपूर्ण है। अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को छोड़ने या विलंब करने से मानव और प्राकृतिक प्रणालियों के लिए अपरिवर्तनीय और प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं। तेजी से आगे बढ़ने का मतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर किए गए वादों को जल्द पूरा करना, तेजी से कार्बन में कमी करना और अधिक महत्वाकांक्षी उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करना। हर छोटी चीज से मदद मिलती है और इन सभी के संयोजन की आवश्यकता होती है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात इसे जल्दी से जल्दी करना है।

ज़हरीली हवा में घुटती दिल्ली की सांसें

ज्ञानेन्द्र रावत

प्रदूषण मानव जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है। वह चाहे जल प्रदूषण हो, वायु प्रदूषण हो, मृदा प्रदूषण हो या कूड़े-कचरे से उपजा प्रदूषण हो, सच तो यह है कि मौजूदा हालात में जानलेवा प्रदूषण से मानव को मुक्ति मिलना असंभव है। हकीकत तो यह है कि इस प्रदूषण के चलते मानव जानलेवा बीमारियों के चंगुल में फंसकर अनचाहे मौत के मुंह में जाने को विवश है। इसकी पुष्टि तो अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञ भी कर चुके हैं।

विडंबना है कि हमारे देश की राजधानी दिल्ली के ऊपर से दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी का लेबल खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। दी वर्ल्ड आफ स्टेटिक्स नामक संस्था ने दुनिया की दस सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानियों की सूची में दिल्ली को शीर्ष पर रखा है।

देश की राजधानी दिल्ली के लोग इस वर्ष वर्ष के सबसे भयंकर प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। राजधानी के लोगों को खराब हवा में सांस लेने को मजबूर होना पड़ रहा है। पिछले कई सालों से यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। ऐसा लगता है प्रदूषण के माहौल में जीना दिल्ली वालों की नियति बन चुकी है। लेकिन विडम्बना देखिए कि इस सबके बावजूद सरकार के ऊपर कोई असर नहीं है। वह बात दीगर है कि प्रदूषण से निपटने के प्रयास युद्धस्तर पर किये जा रहे हैं, यह जुमला सुनते-सुनते दिल्ली वालों के कान पक चुके हैं। जहां तक दिल्ली सरकार का सवाल है, पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस समस्या से निपटने के प्रयास किये जा रहे हैं, ऐसा दावा करते वह थकती नहीं है। यही नहीं, वह राजधानी में लगातार होती खराब हवा की गुणवत्ता के कारण बीमार हो रहे लोगों का बेहतर ढंग से इलाज किया जा सके, इसके लिए दिल्ली के अस्पतालों में प्रदूषण क्लीनिक खोले जाने की योजना पर काम कर रही है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य अधिकारियों की मानें तो दिल्ली के गुरु तेग बहादुर और लोक नायक अस्पताल में सरकार अन्य सरकारी सुविधाओं के विस्तार से पहले वहां प्रदूषण क्लीनिक खोलने पर विचार कर रही है।

सर्दी के मौसम में यह बदहाल स्थिति हर साल आती है। इस दौरान दिल्ली के अस्पतालों में सांस, दमा, हृदय, फेफड़े, आंत, नेत्र, त्वचा, गले, नाक आदि रोगों के पीड़ितों की संख्या अन्य मौसम के मुकाबले बेहद बढ़ जाती है। गुरु गोविन्द बल्लभ पंत अस्पताल का इस दौरान रोगियों का आंकड़ा इसका जीता-जागता सबूत है। फिर भी सरकार पहले से इस समस्या के समाधान की दिशा में कोई प्रयास नहीं करती और जब हालात बिगड़ने लगते हैं, तब दिखाने के लिए ऐसे दावे करती है।

जहां तक पराली का सवाल है, पड़ोसी राज्यों की सरकारें यह दावा करते नहीं थकतीं कि उनके राज्य में पराली जलाने की घटनाओं में बहुत बड़ी मात्रा में कमी आई है जबकि इसके विपरीत इस दौरान दिल्ली के प्रदूषण में पराली का हिस्सा काफी बढ़ा है। बीते दिनों दिल्ली की हवा में धुएं की हिस्सेदारी में तकरीबन 24 से 26 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई। वायु गुणवत्ता सूचकांक भी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। इसका नतीजा यह हुआ है कि पराली का धुआं दिल्ली का दम घोंट रहा है। दिल्ली के लोगों को वर्तमान में मानकों से दोगुना ज्यादा प्रदूषित हवा का सामना करना पड़ रहा है।

मानकों के मुताबिक हवा में प्रदूषक कण पीए 10 की मात्रा 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम 2.5 की मात्रा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 350 से ज्यादा खतरनाक यानी बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है। जबकि द्वारका स्थित निगरानी केन्द्र का सूचकांक 409 भी रहा।

असलियत यह है कि हवा की दिशा उत्तर-पश्चिमी होने की वजह से दिल्ली की ओर पराली का धुआं काफी मात्रा में आता है। इसके कारण पराली के धुएं की हिस्सेदारी बढ़कर सात फीसदी का आंकड़ा पार कर गई। असलियत में तापमान में कमी के साथ ही प्रदूषण का स्तर अनियंत्रित होता जा रहा है। जैसे-जैसे तापमान में कमी आती जा रही है, वायु गुणवत्ता की स्थिति बेहद खराब होती जा रही है। आने वाले दिनों में तापमान में और कमी होगी, उस हालत में राष्ट्रीय राजधानी में औसत वायु गुणवत्ता बेहद खराब स्थिति में पहुंच जायेगी। फिर आसमान में छायी धुंध और हवा की रफ्तार में कमी के चलते प्रदूषण में बढ़ोतरी के साथ स्मॉग का खतरा भी बरकरार है। ऐसे हालात में दिसम्बर में दिल्ली की हवा और जहरीली होगी। इसमें दो राय नहीं। फिलहाल इससे राहत की उम्मीद बेमानी है।

पत्रकारिता का स्वरूप विविध आयाम व महत्व

प्रो. शरद नारायण खरे

पत्रकारिता शब्द अंग्रेज़ी के जर्नलिज़्मका हिंदी रूपांतर है। शब्दार्थ की दृष्टि से जर्नलिज्म शब्द जर्नल से निर्मित है और इसका आशय है दैनिक। अर्थात जिसमें दैनिक कार्यों व सरकारी बैठकों का विवरण हो। आज जर्णल शब्द मैगजीन का द्योतक हो चला है। यानी दैनिक दैनिक समाचार-पत्र या दूसरे प्रकाशन कोई सर्वाधिक प्रकाशन जिसमें किसी विशिष्ट क्षेत्र के समाचार हो। पत्रकारिता लोकतंत्र का अविभाज्य अंग है। प्रतिपल परिवर्तित होनेवाले जीवन और जगत का दर्शन पत्रकारिता द्वारा ही संभंव है। परिस्थितियों के अध्ययन चिंतन-मनन और आत्माभिव्यक्ति की प्रवृत्ति और दूसरों का कल्याण अर्थात् लोकमंगल की भावना ने ही पत्रकारिता को जन्म दिया है ।

सीजी मूलर ने बिल्कुल सही कहा है कि, सामायिक ज्ञान का व्यवसाय ही पत्रकारिता है। इसमें तथ्यों की प्राप्ति उनका मूल्यांकन एवं ठीक-ठाक प्रस्तुतीकरण होता है।

डॉ. अर्जुन तिवारी के कथनानुसार, ज्ञान और विचारों को समीक्षात्मक टिप्पणियों के साथ शब्द ध्वनि तथा चित्रों के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना ही पत्रकारिता है। यह वह विद्या है जिसमें सभी प्रकार के पत्रकारों के कार्यों कर्तव्यों और लक्ष्यों का विवेचन होता है। पत्रकारिता समय के साथ समाज की दिग्दर्शिका और नियामिका है। श्री प्रेमनाथ चतुर्वेदी के अनुसार पत्रकारिता विशिष्ट देश काल और परिस्थिति के आधार पर तथ्यों का परोक्ष मूल्य का संदर्भ प्रस्तुत करती है।

एक पत्रिका के अनुसार, पत्रकारिता इधर-उधर उधर से एकत्रित सूचनाओं का केंद्र जो सही दृष्टि से संदेश भेजने का काम करता है जिससे घटनाओं का सहीपन को देखा जाता है।

डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र के अनुसार, पत्रकारिता वह विद्या है जिसमें पत्रकारों के कार्यों कर्तव्यों और उद्देश्यों का विवेचन किया जाता है। जो अपने युग और अपने संबंध में लिखा जाए वह पत्रकारिता है।

डॉ. भुवन सुराणा के अनुसार, पत्रकारिता वह धर्म है जिसका संबंध पत्रकार के उस धर्म से है जिसमें वह तत्कालिक घटनाओं और समस्याओं का अधिक सही और निष्पक्ष विवरण पाठक के समक्ष प्रस्तुत करता है।

उपरोक्त परिभाषाएं के आधार पर हम कह सकते हैं कि, पत्रकारिता जनता को समसामयिक घटनाएं वस्तुनिष्ठ तथा निष्पक्ष रुप से उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य है।सत्य की आधार शीला पर पत्रकारिता का कार्य आधारित होता है तथा जनकल्याण की भावना से जुड़कर पत्रकारिता सामाजिक परिवर्तन का साधन बन जाता है।

पत्रकारिता का स्वरूप व विशेषताएं

सामाजिक सरोकारों तथा सार्वजनिक हित से जुड़कर ही पत्रकारिता सार्थक बनती है। सामाजिक सरोकारों को व्यवस्था की दहलीज तक पहुँचाने और प्रशासन की जनहितकारी नीतियों तथा योजनाओं को समाज के सबसे निचले तबके तक ले जाने के दायित्व का निर्वाह ही सार्थक पत्रकारिता है।

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा पाया (स्तम्भ) भी कहा जाता है। पत्रकारिता ने लोकतंत्र में यह महत्त्वपूर्ण स्थान अपने आप नहीं हासिल किया है बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति पत्रकारिता के दायित्वों के महत्त्व को देखते हुए समाज ने ही दर्जा दिया है। कोई भी लोकतंत्र तभी सशक्त है जब पत्रकारिता सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी सार्थक भूमिका निभाती रहे। सार्थक पत्रकारिता का उद्देश्य ही यह होना चाहिए कि वह प्रशासन और समाज के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी की भूमिका अपनाये।

पत्रकारिता के इतिहास पर नजर लडालें तो स्वतंत्रता के पूर्व पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति का लक्ष्य था। स्वतंत्रता के लिए चले आंदोलन और स्वाधीनता संग्राम में पत्रकारिता ने अहम और सार्थक भूमिका निभाई। उस दौर में पत्रकारिता ने पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोने के साथ-साथ पूरे समाज को स्वाधीनता की प्राप्ति के लक्ष्य से जोड़े रखा।

इंटरनेट और सूचना के आधिकार (आरटीआई) ने आज की पत्रकारिता को बहुआयामी और अनंत बना दिया है। आज कोई भी जानकारी पलक झपकते उपलब्ध की और कराई जा सकती है। मीडिया आज काफी सशक्त स्वतंत्र और प्रभावकारी हो गया है।

पत्रकारिता की पहुँच और आभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का व्यापक इस्तेमाल आमतौर पर सामाजिक सरोकारों और भलाई से ही जुड़ा है किंतु कभी कभार इसका दुरपयोग भी होने लगा है।

संचार क्रांति तथा सूचना के आधिकार के अलावा आर्थिक उदारीकरण ने पत्रकारिता के चेहरे को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। विज्ञापनों से होनेवाली अथाह कमाई ने पत्रकारिता को काफी हद्द तक व्यावसायिक बना दिया है। मीडिया का लक्ष्य आज आधिक से आधिक कमाई का हो चला है। मीडिया के इसी व्यावसायिक दृष्टिकोन का नतीजा है कि उसका ध्यान सामाजिक सरोकारों से कहीं भटक गया है। मुद्दों पर आधारित पत्रकारिता के बजाय आज इन्फोटेमेंट ही मीडिया की सुर्खियों में रहता है।

इंटरनेट की व्यापकता और उस तक सार्वजनिक पहुँच के कारण उसका दुष्प्रयोग भी होने लगा है। इंटरनेट के उपयोगकर्ता निजी भड़ास निकालने और अतंर्गततथा आपत्तिजनक प्रलाप करने के लिए इस उपयोगी साधन का गलत इस्तेमाल करने लगे हैं। यही कारण है कि यदा-कदा मीडिया के इन बहुपयोगी साधनों पर अंकुश लगाने की बहस भी छिड़ जाती है। गनीमत है कि यह बहस सुझावों और शिकायतों तक ही सीमित रहती है। उस पर अमल की नौबत नहीं आने पाती। लोकतंत्र के हित में यही है कि जहाँ तक हो सके पत्रकारिता हो स्वतंत्र और निर्बाध रहने दिया जाए और पत्रकारिता का अपना हित इसमें है कि वह आभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग समाज और सामाजिक सरोकारोंके प्रति अपने दायित्वों के ईमानदार निवर्हन के लिए करती रहे।

मनुष्य स्वभाव से ही जिज्ञासु होता है। उसे वह सब जानना अच्छा लगता है जो सार्वजनिक नहीं हो अथवा जिसे छिपाने की कोशिश की जा रही हो। मनुष्य यदि पत्रकार हो तो उसकी यही कोशिश रहती है कि वह ऐसी गूढ़ बातें या सच उजागर करे जो रहस्य की गहराइयों में कैद हो। सच की तह तक जाकर उसे सतह पर लाने या उजागर करने को ही हम अन्वेषी या खोजी पत्रकारिता कहते हैं।

खोजी पत्रकारिता एक तरह से जासूसी का ही दूसरा रूप है जिसमें जोखिम भी बहुत है। यह सामान्य पत्रकारिता से कई मायनों में अलग और आधिक श्रमसाध्य है। इसमें एक-एक तथ्य और कड़ियों को एक दूसरे से जोड़ना होता है तब कहीं जाकर वांछित लक्ष्य की प्राप्ति होती है। कई बार तो पत्रकारों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और खोज को बीच में ही छोड़ देना पड़ता है क्योंकि आगे के रास्ते बंद हो चुके होते हैं। पत्रकारिता से जुड़ी पुरानी घटनाओं पर नजर दौड़ायें तो माई लाई कोड वाटरगेट कांड जैक एंडर्सन का पेंटागन पेपर्स जैसे अंतरराष्ट्रीय कांड तथा अन्य राष्ट्रीय घोटाले खोजी पत्रकारिता के चर्चित उदाहरण हैं। ये घटनायें खोजी पत्रकारिता के उस दौर की हैं जब संचार क्रांति इंटरनेट या सूचना का आधिकार (आर.टी.आई) जैसे प्रभावशाली अस्त्र पत्रकारों के पास नहीं थे। इन प्रभावशाली हथियारों के अस्तित्व में आने के बाद तो घोटाले उजागर होने का जैसे एक दौर हीशुरु हो गया। जाने-माने पत्रकार जुलियन असांज के 'विकीलिक्स' ने तो ऐसे-ऐसे रहस्योद्घाटन किये जिनसे कई देशों की सरकारें तक हिल गई।

इंटरनेट और सूचना के आधिकार ने पत्रकारों और पत्रकारिता की धार को अत्यंत पैना बना दिया लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी है कि पत्रकारिता की आड़ में इन हथियारों का इस्तेमाल 'ब्लैकमेलिंग जैसे गलत उद्देश्य के लिए भी होने लगा है। समय-समय पर हुये कुछ 'सिंटग ऑपरेशन और कई बहुचर्चित सीडी कांड इसके उदाहरण हैं। पर पत्रकारिता मर्यादाओं के घेरे में होना चाहिए। खोजी पत्रकारिता साहसिक तक तो ठीक है लेकिन इसका दुस्साहस न तो पत्रकारिता के हित में है और न ही समाज के।सदैव स्वस्थ सकारात्मक पत्रकारिता ही जनहितैषी सिध्द होती है।

बच्चे के मुंह पर घने लंबे बाल, लोग मानते है बाल हनुमान

क्यों कर रहा 21 वर्ष पूर्ण होने का इंतजार...?

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

जिले के छोटे से गांव नंदलेटा में रहने वाले 17 वर्ष के ललित पाटीदार के पूरे चेहरे पर बचपन से ही लंबे-लंबे बाल हैं। बचपन में उन्हें बाल हनुमान का रूप मानकर गांव वाले पूजा भी करते थे। परिजनों ने कई डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन ललित का इलाज नहीं हो पाया। रतलाम जिले के ललित पाटीदार के चेहरे को अगर आप पहली बार देखेंगे तो डर ही जाएंगे। डर की वजह होगी उनके पूरे चेहरे पर लंबे-लंबे बालों का होना। ये बाल उनके चेहरे पर जन्म से ही हैं। परिजनों ने कई चिकित्सकों को दिखाया, लेकिन कहीं भी इसका इलाज नहीं हो पाया। डॉक्टरों द्वारा इसे एक दुर्लभ और लाइलाज बीमारी बताया गया। ललित रतलाम नांदलेट गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता बकटलाल पाटीदार एक किसान हैं, ललित चार बहनों के एकलौते भाई हैं। वह गांव के सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा के छात्र हैं।

बताया जाता है कि, बचपन में ललित को बाल हनुमान का रूप मानकर गांव वाले उनकी पूजा भी करते थे। चेहरे पर बाल होने की वजह से ललित को खाना खाने में काफी परेशानी होती है। क्योंकि खाना खाते समय बाल उनके मुंह में आ जाते हैं। डॉक्टरों द्वारा उसकी बीमारी का फिलहाल कोई इलाज नहीं बताया गया है। बड़ोदा के एक डॉक्टर द्वारा 21 वर्ष का होने के बाद प्लास्टिक सर्जरी करने की बात कही गई है। इसलिए अब ललित अपने 21 वर्ष पूर्ण का होने का इंतजार कर रहे हैं।

ललित ने बताया कि, वह एक यूट्यूबर बनना चाहते हैं। इसके लिए वह प्रयास भी कर रहे हैं। उधर, ललित के परिजनों का कहना है कि, बचपन से ही ललित के चेहरे पर लंबे-लंबे बाल थे। हमने कई डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन सभी ने कहा कि यह एक लाइलाज बीमारी है। अब तो हमने सब कुछ ऊपर वाले पर छोड़ दिया है। एक डॉक्टर ने प्लास्टिक सर्जरी की बात की है, जब ललित 21 साल का हो जाएगा तो हम ट्रीटमेंट करवाएंगे।

वेयरवोल्फ सिंड्रोम से ग्रसित है ललित

चिकित्सकों के मुताबिक ललित वेयरवोल्फ सिंड्रोम नामक बीमारी से ग्रसित है। इस बीमारी के चलते शरीर के कई हिस्सों पर बाल उग जाते हैं, जो परेशानी का कारण बनते हैं। इन बालों से भोजन करने, सांस लेने आदि में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार की दिक्कतों से ललित पाटीदार भी जूझ रहा है।

डर ने ले लिया आस्था का स्थान

ललित पाटीदार के मुताबिक पहले उसके साथ पढ़ने वाले बच्चे उससे दूर और भयभीत भी रहते थे। कई लोग तो उस पर पत्थर भी फेक चुके हैं। पहले उसे बंदर और अन्य नामों से भी चिढ़ाया जाता था, लेकिन बाद में धीरे-धीरे डर का स्थान आस्था ने ले लिया। उसके अनुसार कुछ लोग उसे बाल हनुमान की संज्ञा देकर उसकी पूजा भी कर चुके हैं। इसके अलावा और कुछ लोग उसे जामवंत नाम से भी आदर सम्मान करते थे। जब डर ने आस्था का स्थान ले लिया तो बाद में उसे सामाजिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ा।

पत्थर मारते थे बच्चे

ललित के मुताबिक, एक समय ऐसा भी था जब बच्चे मुझे पत्थर मारते थे। मेरे साथ खेलने से बचते थे, लेकिन मेरे परिवार और दोस्तों ने मुझे उनसे बचाया और ध्यान रखा। सबसे बुरा समय वो था जब मुझे बालों के कारण सांस लेने और दाएं-बाएं देखने में दिक्कत होती थी। कभी-कभी इच्छा होती है मैं भी दूसरे बच्चों जैसा दिखूं, लेकिन कुछ नहीं कर सकता है। इसलिए जैसा हूं वैसे ही खुश हूं। यह एक जन्मजात लाइलाज बीमारी है। जन्म में बाद शरीर पर बालों की लंबाई तेजी से बढ़ने लगती है और यह करीब 5 सेमी तक होती है। चेहरा, हाथ और पीठ पर खासतौर पर अधिक बाल दिखाई देते हैं।

अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल डर्मेटोलॉजी के मुताबिक, इलाज के तौर पर महज कुछ थैरेपी हैं, लेकिन इनके परिणाम हमेशा संतोषजनक नहीं होते। बालों की ग्रोथ, जगह, उम्र जैसे कई फैक्टर के आधार पर हेयर रिमूवल तकनीक अपनाई जाती है। वर्तमान में ब्लीचिंग, ट्रिमिंग, शेविंग, वैक्सिंग, इलेक्ट्रोलसर्जिकल एपिलेशन और लेजर हेयर रिमूवल ही इलाज के विकल्प हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, उम्र के साथ बढ़ते बालों के कारण कई बार मरीज भावनात्मक रूप से टूट जाता है।

पूर्व विधायक जसवंतसिंह हाड़ा का नाम आमंत्रण पत्र से गायब

माही की गूंज, शाजपुर। अजय राज केवट माही

अकोदिया नगर परिषद के द्वारा गौरव दिवस अकोदिया नगर परिषद का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। जिसमें आमंत्रण पत्र नगर परिषद के द्वारा बनवाए गए हैं। लेकिन विकास पुरुष के नाम से प्रसिद्ध पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाडा का नाम आंमत्रण पत्र में नहीं है। भारतीय जनता पार्टी में जो लोग पद पर आज बैठे हैं व श्री हाड़ा से किस प्रकार का भेदभाव करते हैं, यह आमंत्रण पत्र इस बात का उदाहरण है। यही हाल पहले भी नगर पालिका परिषद शुजालपुर में अध्यक्ष के पदभार ग्रहण में भी देखा गया था। एक तरफ भाजपा के दिग्गज नेता व पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाड़ा जो की एक विकास पुरूष के नाम से जानें जाते हर बार विधान सभा के कार्यक्रम में ही जसवंत सिंह हाड़ा का नाम हटाया जाता। आखिर भाजपा की ये गुट बाजी व विधायक हाड़ा की नज़र अंदाज़ करने वाले कार्य कहीं आने वाले चुनाव में भाजपा के नेताओं को भारी नही पड़ जाए, ये बहुत बड़ा सवाल बन चुका है।

वैसे तो विकास पुरुष के नाम से जाने, जाने वाले जसवंत सिंह हाडा ने अकोदिया नगर में काफी विकास किया है एवं पार्टी ने जहां भी चुनाव में उनको प्रभारी बनाया है वहां से उन्होंने उस जगह पार्टी को जीत दिलाई है। लेकिन उसके बाद भी कुछ पार्टी के गुटबाजी नेता ने आमंत्रण पत्र में से नगर परिषद क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने वाले विकास पुरुष हाड़ा का नाम ही नहीं जोड़ा। आज भी जहां भी चर्चाएं चलती है उनका एक ही नाम विकास पुरुष के रूप में कहा जाता है। जसवंत सिंह हाडा पूर्व विधायक जिनका छोटे से छोटे कार्यकर्ता से लेकर बड़े नेता तक सम्मान करते हैं, आज इस आमंत्रण पत्र में उनका नाम नहीं है। इसके पहले भी नगर परिषद के द्वारा कई कार्यक्रम किए गए, कई समाचार पत्र में इस बात को लेकर चर्चाएं चली, समाचार लगे, विकास पुरुष जसवंत सिंह हाडा का नाम क्यों नहीं। क्या पार्टी के लोग इतनी गुटबाजी रखते हैं...? विकास पुरुष से यहां इस आमंत्रण पत्र को देखने के बाद लग रहा है कि कुछ पार्टी के सदस्यों ने तो इस तरीके से पलटी खाई है कि उन्होंने भी आमंत्रण पत्र को देखकर यह नहीं कहा कि आमंत्रण पत्र में सभी मुख्य अतिथि लोगों का नाम लिखे हैं, फिर आमंत्रण पत्र में हाड़ा जी का नाम क्यों नहीं। क्योंकि कुछ लोग अपने फायदे के लिए उन्होंने भी हां में हां मिला दी, जिनका पलड़ा भारी होता है। लेकिन उन्हें शायद यह नहीं मालूम समय कभी भी अपना दाव दिखा सकता है। 'अंधा बांटे रेवड़ी अपने-अपने को दे' इसी तरीके से यह आमंत्रण पत्र बनवाया गया है।

सड़क पर मिला भ्रूण का शव, एक हफ्ते में दूसरा मामला आया सामने

माही की गूंज, मंदसौर।

नेहरू बस स्टैंड के पास बाजार में सड़क पर भ्रूण का शव मिला, जिसकी वजह से वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मामले में अज्ञात पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली पुलिस ने मामले में जानकारी देते हुए बताया कि, मंगलवार दोपहर मंदसौर को व्यस्ततम बाजार में बीच सड़क पर भ्रूण मिलने की सूचना मिली थी। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर भ्रूण को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल में भेज दिया। कोतवाली पुलिस मामले में जानकारी जुटा रही है कि इतने व्यस्ततम बाजार में सड़क पर भ्रूण कैसे पहुंचा।

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि, हफ्ते में यह दूसरा मामला है। इससे पहले शामगढ़ में एक नवजात भ्रूण मिला था। आज बस स्टैंड इलाके में मिले भ्रूण के बारे में पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगार रही है। वहीं अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

रक्तदान एवं नशा मुक्ति की शपथ लेकर मनाया बाबा साहब का महापरिनिर्वाण दिवस

माही की गूंज, शाजापुर।

अखिल भारतीय बलाई समाज (पंजी) शाजापुर में बलाई समाज के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष दिलीप सिंह बामनिया के नेतृत्व में 6 दिसम्बर को जिला चिकित्सालय ट्रामा सेंटर शाजापुर में बलाई समाज के द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस बार भी बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके चित्र पर माल्यर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई। कार्यक्रम में बामनिया के द्वारा नशा मुक्ति की शपथ दिला कर बाबा साहब को रक्तदान कर सच्ची श्रद्धांजलि दी गई। जिसमे बामनिया ने कहा कि, नशा ऐसा जहर है जो समाज को खोखला करता है इससे हमें सबको बचना चाहिए ताकि हम सब मिलकर नशा मुक्त राष्ट्र का निर्माण कर सके एवं बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाते हुए वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करे। कार्यक्रम मे समाजजनों के द्वारा फलदान एवं रक्तदान भी किया गया। इस अवसर पर संगठन की ओर से ग्यारह यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। इसमे ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ शंम्भू दयाल जयसवाल, डॉ. अभिषेक शक्तावत, टेक्नीशियन प्रशांत वैद्य, अनिल नागर, इस कार्यक्रम में सभी दल के पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में क्षितिज भट्ट प्रदेश मंत्री, वरिष्ठ नेता दिनेश तिवारी, दिनेश शर्मा जिला महामंत्री, गोपाल सिंह राजपूत जिला उपाध्यक्ष, प्रेम मालवीय, जिला पंचायत सदस्य, शेलेंद्र सोनी, राजेश पारछे, आशीष नागर, मुकेश सक्सेना, मुसा आजम, ओम प्रकाश मालवीय, समाज के वरिष्ठ समाज सेवी रामचंद्र चोहान, वरिष्ठ समाज सेवी नारायण सिंह मालवीय, भागीरथ सोलंकी, नागूलाल फुलेरा, रतनलाल मेवाड़ा, एडवोकेट अशोक मालवीय, रामचन्द्र पारस, गोवर्धन लाल यादव, नरेंद्र मालवीय, रतन लाल परमार, मुकेश मालवीय, दयाराम सौराष्ट्रीय, संभाग अध्यक्ष जितेंद्र मालवीय, चेतन मालवीय, विजय मकवाना, यस पिंकू मालवीय, जितेन्द्र मालवीय, धर्मेंद्र मालवीय, राकेश चावड़ा, संतोष मेवाड़ा कानड़, ओम मालवीय, दिलीप मालवीय, विजय कुलमिया, संतोष कुलमिया, राम कृष्ण मेवाड़ा, विजय मेवाड़ा, माखन परिहार, आदि साथीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल मालवीय ने किया।

कैबिनेट बैठक में जिले को स्वास्थ्य क्षेत्र में मिली बड़ी सौगातें

माही की गूंज, शाजापुर।

मध्य प्रदेश शासन की कैबिनेट (मंत्री-परिषद) की बैठक में शाजापुर जिले को स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली हैं। इसे लेकर स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर प्रभु राम चौधरी का आभार जताया है। मंत्री श्री परमार ने बताया कि, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में आज शाजापुर जिले को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक साथ अनेक सौगातें मिली हैं। शुजालपुर सिटी सिविल अस्पताल में 76 बिस्तर से 100 बिस्तर उन्नयन करने के लिए 2 लाख 652 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। इसके अलावा जिले के विभिन्न क्षेत्र में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की भी जरूरत थी। इसको लेकर जामनेर, उगली, मदाना एवं खरदौनकलां में उप स्वास्थ्य केंद्रों के उन्नयन कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापना के लिए प्रत्येक केंद्रों के लिए 264.35 लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुई है। श्री परमार ने बताया कि, शुजालपुर सिटी सिविल अस्पताल को 100 बिस्तर का करने के साथ ही जामनेर, उगली, मदाना एवं खरदौन कलां में उप स्वास्थ्य केंद्रों के उन्नयन करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापना करने की कैबिनेट से मंजूरी दे दी गई है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में शाजापुर जिले को यह बड़ी सुविधाएं मिली हैं। एक ही बैठक में शाजापुर जिले के लिए इतने जनहितकारी निर्णय होना बड़ी उपलब्धि है। नई सौगात और सुविधाओं से जिले की स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ होंगी।

उल्लेखनीय है कि, मप्र की शिवराज सरकार शाजापुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का कायाकल्प कर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी तारतम्य में पिछले वर्ष शाजापुर जिला अस्पताल में बिस्तरों की क्षमता 200 बिस्तर से बढ़ाकर 300 बिस्तर की गई थी।

जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष को डोडाचूरा तस्करी में भेजा जैल

माही की गूंज, मंदसौर।

डोडाचूरा तस्करी में रिमांड अवधि समाप्त होने पर जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष गुणवंत पाटीदार को जेल भेजने के आदेश जारी हो चुके है। उल्लेखनीय है, 14 माह पूर्व गुणवंत पर पुलिस द्वारा उक्त तस्करी का प्रकरण झूठा बनाने का आरोप लगा था और इसे लेकर कांग्रेस नेताओं व किसान संगठनों ने एसपी कार्यालय का घेराव किया। पुलिस का दावा है, रिमांड अवधि के दौरान गुणवन्त ने जुर्म स्वीकार किया है। जानकारी के अनुसार नारायणगढ़ पुलिस ने 14 माह पुराने 57 किलो डोडाचूरा तस्करी के प्रकरण में फरार चल रहे बूढ़ा निवासी जिला पंचायत उपाध्यक्ष गुणवन्त पाटीदार को गिरफ्तार किया था। जिसे मंदसौर एनडीपीएस एक्ट न्यायालय ने 1 दिन पुलिस रिमांड पर सौंपा था।

नारायणगढ़ टीआई तेजेंद्रसिंह सेंगर ने बताया, रिमांड अवधि के दौरान गुणवंत ने डोडाचूरा तस्करी का जुर्म स्वीकार किया है। मंगलवार को पुनः उसे कोर्ट में पेश किया तो जेल भेजने के आदेश हुए।

नीलगर समाज ने विवादित नई कमेटी के सदस्यों का पुलिस सत्यापन कराने हेतु दिया ज्ञापन

माही की गूंज, मंदसौर।

नीलगर समाज पदाधिकारियों ने वक्फ गांगी मस्जिद की विवादित नई कमेटी सदस्यों का पुलिस सत्यापन कराने हेतु कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमे बताया कि, वक्फ गांगी मस्जिद स्थित नीलम शाह दरगाह, नए ब्रिज के पास, खानपुरा में है। मस्जिद को 100 वर्षो से नीलगर समाज के द्वारा मस्जिद में नमाज पढ़ाने वाले पेश इमाम सहित अन्य कर्मचारियों, भंडारी आदि को अपने पास से तनख्वाह दी जा रही है। मस्जिद की समुचित व्यवस्था, इबादत के हिसाब से भी की जाती है। मस्जिद के आसपास समाज के ही अन्य वर्गों के लोग अवैध किराएदार के रूप में निवास करते हैं तथा न समय पर किराया दे रहे हैं। साथ ही अवैध निर्माण लगातार करते चले आ रहे हैं। कई किरायेदारों के निजी मकान होने के बावजूद मकान खाली नहीं कर रहे हैं। उन्होंने विवादित फर्जी कमेटी डिफाल्टर अपराधियों की बनाकर विवाद पैदा किया जा रहा है। नीलगर समाज व्यापारिक श्रेणी में आता है। इस हेतु विवादित नवीन कमेटी के समस्त पदाधिकारियों की सूची इस ज्ञापन के साथ दी है। उनका पुलिस सत्यापन कराया जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा संगठन स्थापना दिवस मनाया

माही की गूंज, शाजापुर।

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा का 76 वां स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया गया। इस अवसर पर सैनिकों द्वारा मार्चपास्ट किया गया। जिसमें मार्चपास्ट की अगुवाई प्लाटून कमांडर श्रीमती नम्रता सरावत ने की। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी जगदीश डावर ने परेड निरीक्षण करते हुए भव्य परेड की सलामी लेने के बाद होमगार्ड डीजी के संदेश का वाचन किया। इस दौरान एएसपी टीएस बघेल व आरआई विक्रम भदौरिया मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी जगदीश डावर ने कहा कि, होमगार्ड्स के जवान पूरे समर्पित भाव से जन सेवा और पुलिस को सहयोग करते आ रहे हैं। होमगार्ड्स जवानों को जिले में जिस भी मोर्चे पर तैनात किया गया उन्होंने उम्मीद से बढ़कर कार्य कर के दिखाया। उन्होंने कहा कि, आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने तथा समुदायिक बेहतरी में आपकी सेवा और समर्पण भाव को हमेशा याद रखे जाने के साथ आवश्यक सेवाओं के सही संचालन से लेकर, किसी भी आपात स्थिति से निपटने और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने में होमगार्ड्स के जवान उत्कृष्ट योगदान देते हैं। इस दौरान उन्हौने होमगार्ड की उपयोगी सामग्रीयों, वाहनों व सैनिको के किट्स का अवलोकन भी किया।

खेलेगा मध्यप्रदेश अभियान को लेकर की बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, शाजापुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल सुजालपुर की बैठक विधायक कार्यालय पर संपन्न हुई। जिसमें युवा मोर्चा का प्रदेश व्यापी अभियान 'खेलेगा मध्यप्रदेश' के अंतर्गत प्रत्येक गांव से युवा क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो आदि खेलों के माध्यम से युवा मोर्चा के इस अभियान से जुड़कर अपनी स्पर्धा को प्रदर्शित करें। युवा मोर्चा का यह अभियान 4 दिसंबर से 5 जनवरी तक चलेगा। जिसमें विभिन्न विभिन्न खेल प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिलेगा।

स्कूल खुलने के छः माह बाद गणवेश वितरण अधर मे

जिला प्रशासन की लेटलतीफी के कारण हो रही देरी

माही की गूंज, मंदसौर।

नौनिहालों की गणवेश को लेकर शासन के अजब निर्देश की गजब कहानी सामने आई हैं। पहले तो शासन ने सत्र शुरू होने के 4 महीने बाद गणेवश वितरण का फैसला लिया। जिम्मेदारी जिला प्रशासन पर डाल दी। जिला प्रशासन ने यह काम नौसीखियों के हाथ सौंप दी। हश्र यह हुआ कि, सत्र खत्म होने में 4 माह का समय शेष हैं, लेकिन बच्चों को गणवेश नहीं मिली है। आने वाले दिनों में ड्रेस मिल जाएगी इसकी उम्मीद भी नहीं हैं। जिले में कक्षा 1 से 5 तक के 53 हजार 436 छात्र हैं। कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों की संख्या 35 हजार 49 हैं।

कोरोना के चलते 2021-22 सत्र में बच्चे को गणवेश नहीं मिल पाई। शासन ने निर्णय लिया छात्रों को सत्र 2022- 23 के साथ पुराने सत्र की गणवेश दी जाए। जिला प्रशासन ने आत्मनिर्भर व सक्षम बनाने की मंशा के स्वसहायता समूह की महिलाओं को जिम्मेदारी दी। लेतलाली के चलते बच्चों को गणवेश मिलना मुश्किल है। अधिकारी दबे स्वर यह स्थिति स्वीकार भी रहे हैं।

प्रशासन की मंशा सही, जिम्मेदारी निभाने वाले लापरवाह

स्वसहायता समूह से गणवेश प्रदाय कराने के पीछे जिला प्रशासन की मंशा है महिलाओं को रोजगार मिले और समूह आर्थिक रूप से मजबूत हो। जिनको जिम्मेदारी सौंपी हैं वे लापरवाही बरत रहे हैं। एनआरएलएम के डीपीएम अनिल मारावी के पास दक्ष समूहों की संख्या तक उपलब्ध नहीं है। ट्रेनिंग भी शुरू नहीं कराई है। हर घर तिरंगा अभियान जैसे हालात गणवेश के संबंध में बनते दिख रहे हैं। मारावी का कहना है एक दिन प्रशिक्षण दे चुके हैं। इसमें गणवेश संबंधी बातचीत की हैं।

दो विकासखंड समूह की महिलाएं ट्रेंड

हर बच्चे को दो ड्रेस देंगे। प्रति ड्रेस के मान से 300 रुपए दिए जाएंगे। दो सत्र की 4 ड्रेस हर बच्चे को मिलेगी। दलौदा व भानपुरा के भैंसोदामंडी के स्व- सहायता समूह ही गणवेश सिलाई में दक्ष है, अन्य समूहों को मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से दक्ष करने की कवायद जारी है। समूहों को पेंट सिलने में अधिक कठिनाई है। इसके चलते कपड़ा कटाई में ट्रेनर की जरूरत रहेगी

5वीं व 8वीं व सीएम राइज के बच्चों के खाते में डाली राशि

सत्र 2021 -22 व 2022-23 में कक्षा 5 व 8 के छात्रों तथा 7 सीएम राइज स्कूलों के 1 से 8 तक के छात्रों की गणवेश राशि छात्रों या अभिभावकों के खातों में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा डाल दी गई है। शेष कक्षाओं 1, 2, 3, 4, 6, 7 को स्वसहायता समूह से गणवेश दी जाएगी।

इन बच्चों को गणवेश का इंतजार

कक्षा 1 के 12 हजार 58 विद्यार्थी, कक्षा 2 के 9 हजार 137 विद्यार्थी, कक्षा 3 के 10 हजार 205 विद्यार्थी, कक्षा 4 के 10 हजार 446 विद्यार्थी, कक्षा 6 के 11 हजार 786 विद्यार्थी व कक्षा 7 के 11 हजार 179 विद्यार्थी अब भी अपनी गणवेश का इंतजार कर रहे।

सत्र खत्म होने को है तो क्या करे...?

मंदसौर जिला पंचायत सीईओ कुमार सत्यम का का इस बारे में कहना है कि, स्व सहायता समूह चिन्हित किए हैं। कुछ कमियां सामने आ रही हैं, कुछ समूह दक्ष नहीं मिले तो उनको हटा दिए जाएंगे। गणवेश वितरण में तीन से चार माह का समय लगेगा। शैक्षणिक सत्र खत्म होने को है तो क्या कर सकते हैं।

एसडीएम ने चौपाल लगाई, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं किया निराकरण

मंच पर नही दिखे तहसीलदार कुर्सी खाली

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

जिले के जावरा अनुविभागीय अधिकारी हिमांशु प्रजापति व जनपद पंचायत पिपलोदा मुख्यकार्यपालन अधिकारी अफिया खान द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर जनता से रूबरू हुए। जावरा एसडीएस ने ग्रामीणों की समस्याओं को जाना और ग्रामीणों द्वारा विभिन्न प्रकार की समस्याओं से अवगत कराया गया। ग्रामीणों ने राशन कार्ड, स्वास्थ्य, पेंशन, स्वरोजगार, बिजली के पोल और पीएचईडी की समस्या बताई। ग्राम पंचायत में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य व जनशिक्षक मोहनलाल सोलंकी के द्वारा अवगत कराया गया कि, शासन की योजना अन्तर्गर शासकीय प्राथमिक विद्यालयो पर बनी पेयजल योजना के अन्तर्गर पीएचईडी ने ठेकेदारो को हर स्कूल पर पीने योग्य पानी की टिन सेट बनाना था पर कई जगह नल में अभी तक पानी ही नही आया और ठेकेदार काम अधूरा छोड़कर चले गए। जिससे हर स्कूल में पानी की समस्या होने से कई स्कूल परिवार परेशान है। जिसको देखते हुए प्रजापति ने तत्काल पीएचआई विभाग के अधिकारियों को तत्काल इस मामले को गम्भीरता से लेकर इस समस्या को जल्दी दूर करने की बात कही और जो ठेकेदार काम छोड़कर निकल गए उनको ब्लैकलिस्टेंट करने की बात कही। वही पीएचआई विभाग द्वारा बछोड़िया बस स्टैंड पर पानी के पाइप ओर लाइट की केबल को सही तरीके से नही खोदकर ले जाने और बाहर ही छोड़ दिया। जिससे आए दिन ग्रामीण परेशान हो रहे और करंट लग सकता और भी नियमानुसार कार्य नही करने और कार्य मे लापरवाही बरतने पर जावरा एसडीएम ने तत्काल कार्य सही करने की बात कही।

बछोड़िया में क्षतिग्रस्त बिजली के पोल की समस्या के निवारण के लिए तत्काल विद्युत मण्डल को भेजा और जल्दी कार्य करने की बात कही। ग्रामीणों द्वारा बताई गई राशन कार्ड और राशन पर्ची व किसान सम्मान निधि की राशि कृषकों को दिलाने के लिए पटवारी व राजस्व विभाग को निराकरण करने के निर्देश दिए गए। पूरे जिले में हर पंचायत ओडीएफ की गई पर रियावन पंचायत में एक किसान ने आवेदन दिया कि मेरे अभी तक शौचालय निर्माण नही हुआ है। जिसको लेकर जावरा एसडीएम ने तत्काल रियावन सचिव को इस मामले को पूरा करने के निर्देश दिए। रियावन पंचायत के अन्तर्गर नई आबादी क्षेत्र में करीब 26 परिवार निवासरत है जिनको पीने के पानी कई दूर दूर से लाना पड़ रहा है। ग्रामीण महिलाओं का कहना था कि, साहब 20 वर्ष ऊपर हो गए हमारे यहां नल की व्यवस्था भी नही है। जिसको तत्काल पीएचई को अवगत कराकर

निवारण करने की बात कही। रियावन उपस्वास्थ्य केंद्र भवन के अंदर लगी स्टेट लाइट की पेटी से कभी भी बच्चो ओर बीमार व्यक्ति को हादसा हो सकता है जिसको लेकर अवगत कराया तो, विद्युत मण्डल को आदेश दिया कि तत्काल पेटी को अंदर से बाहर शिफ्ट किया जाए। इस ग्राम चौपाल शिविर में सभी विभाग के अधिकारी नजर आए पर क्षेत्र के नायब तहसीलदार या तहसीलदार मंच पर दिखाई नही दिए। इस मौके पर ब्लाक मेडिकल ऑफिसर पवन पाटीदार, जनपत सदस्य भानुप्रताप सिह, जनपत सदस्य प्रतिनिधि बद्री बाई बालाराम पटेल, जनपत सदस्य प्रतिनिधि दिनेश कुमावत, रियावन सरपंच संतोष सोनार्थी, आस पास पंचायत के सरपंच ओर सचिव सहित पटवारी ओर स्वास्थ्य विभाग सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जावरा एसडीएम हिमांशु प्रजापति ने कहा कि, जन समस्या निवारण शिविर लगाया गया था 37 आवेदन आए। सभी आवेदन पर कार्रवाई की गई है वहीं पीएचई की सबसे ज्यादा समस्या आई है। जिस पर जिन ठेकेदारों ने काम अधूरा छोड़कर चले गए हैं उन पर ब्लैकलिस्टेट की कार्रवाई की जाएगी।

फाइनेंस कंपनी के एजेंट के साथ हुई लूट, बार-बार बदल रहा बयान

माही की गूंज, मंदसौर। भानपुरा थाना क्षेत्र के मिठ्ठनखेड़ी व रातागुराडिया गांव के बीच सोमवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे माइक्रो फाइनेंस कंपनी के एजेंट के साथ दो बाइक पर आए चार लोगों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। आरोपियों ने एंजेट की बाइक आरजे 17 एएस 6223 पर लटके बैग को छीन कर फरार हो गए।

पुलिस थाना भानपुरा पर घटना के बाद गरोठ एसडीओपी सोनू परमार एवं टीआई अवनीश श्रीवास्तव ने बताया कि, फरियादी फूल सिंह पिता रंजीत सिंह चंद्रावत (24) निवासी ग्राम निपानिया पुलिस थाना चोहमेला जिला झालावाड़ ने भानपुरा पुलिस को सूचना दी थी। उसने बताया कि, उसके साथ ग्राम रातागुराडिया से माइक्रो स्पंदन कंपनी लिमिटेड का कैश कलेक्शन करके गांव से निकला था। मिठनखेड़ी व ग्राम रातागुराडिया के बीच में उसके साथ उपरोक्त लूट की घटना घटी। घटना के बाद वह काफी डर गया था। बाइक पर चार लोग आए और धक्का देकर बैग लूट ले गए। थानाधिकारी भानपुरा व एसडीओपी गरोठ ने बताया कि, फरियादी पुलिस थाना चोहमेला ग्राम निपानिया जिला झालावाड़ का रहने वाला है। फाइनेंस कंपनी के लिए नगदी कलेक्शन का काम करता है। फरियादी बार-बार बयान बदल कर लूटी गई राशि को लेकर अलग-अलग जानकारी दे रहा है।

राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करना ही राष्ट्रभक्ति है- डॉ.मेवाडे

माही की गूंज, बड़वानी। शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों के द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस मनाया गया, इस उपलक्ष में एनएसएस इकाई के सभी विद्यार्थियों के द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रणजीत सिंह मेवाडे एवं डॉक्टर श्वेता कटियार डॉ. राजमल सिंह राव के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रणेता पुरुष स्वामी विवेकानंद एवं अमर शहीद भीमा नायक की प्रतिमा को पुष्प अर्पण कर उन्हें नमन करके उन्हें सम्मान दिया एवं महाविद्यालय के उद्यान में महापुरुषों की प्रतिमाओं के आसपास साफ सफाई की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ विद्यार्थी गंगाराम जाधव, हरीश चौहान, मांगीलाल पंवार, गणेश कुशवाह, सचिन भूरिया, मांगीलाल पंवार, रामदेश, दिनेश कन्नौज करमसिंह, अजय चौहान ,मंगल पंवार ,धरम डावर आदि की उपस्थिति में महाविद्यालय के संपूर्ण उद्यान में साफ सफाई अभियान चलाया जाए।

निर्धारित समय पर कार्यालय नहीं पहुँचा अमला, वेतन रोका जाएगा

माही की गूंज, खरगोन।

नवम्बर माह की अंतिम टीएल बैठक में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने सभी जिला अधिकारी और जनपद स्तर के अमले को मप्र शासन द्वारा निर्धारित कार्यालयीन समय पर अधिकारी और कर्मचारियों को कार्यालय पहुँचने के लिए चौकन्ना किया था। बैठक में उन्होंने इस कार्य की निगरानी के लिए एडीएम जेएस बघेल और एसडीएम श्री ओमनारायण सिंह को जिम्मा सौंपा था। इसके बावजूद पशु उपसंचालक कार्यालय के डॉक्टर और अन्य कर्मचारियों पर इसका असर नहीं हुआ। अब उन्हें इसका खामियाजा आधे दिन का वेतन पाकर उठाना पड़ेगा।

दरअसल, बुधवार सुबह 10 बजे एसडीएम श्री सिंह ने पशु उपसंचालक कार्यालय का निरीक्षण करने पहुँचे। यहां कुल 25 का स्टॉप है लेकिन कार्यालयीन समय मे सिर्फ 6 उपस्थित पाये गए। इसमें 4 डॉक्टर, 4 सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, 7 बाबू और 4 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अनुपस्थित पाये गए। इसी तरह एसडीएम श्री सिंह ने पशु चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया। यहां 5 के स्टॉप में से 1 मेटरनिटी अवकाश और 1 अवकाश बाकी उपस्थित मिले। पशु चिकित्सा उपसंचालक डॉ. एलएस बघेल ने बताया कि जो कार्यालयीन समय पर अनुपस्थित मिले है उनका आधे दिन का वेतन कांटा जाएगा। एसडीएम श्री सिंह ने बताया कि निरीक्षण प्रतिवेदन कलेक्टर कुमार के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

ये डॉक्टर और सहायक ग्रेड रहे अनुपस्थित

उपसंचालक डॉ. बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि, कार्यालयीन समय में डॉ. एसके पाठक, डॉ. एचएस पटेल, डॉ. चंचल ठाकुर अनुपस्थित और डॉ. अंजली अवकाश पर रही। इसी तरह सहा. पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों में आरसी जोशी, मनोहर मंडलोई, अशोक वर्मा और किरण वर्मा अनुपस्थित रही। सहायक ग्रेड में एमएल जमरे, रेमिना जाधव, प्रतिभा सोलंकी, डीडी बक्शी, शिरोमणि चौहान, मनीषा पंवार अनुपस्थित रहे। जबकि किरण नरगांवे अवकाश पर थी। 25 स्टॉप में से सिर्फ 6 शासकीय सेवक ही कार्यालयीन समय पर मौजूद रहे।

कलेक्टर ने रायल्टी की राशि जमा नहीं करवाने वाले 20 अधिकारियों को जारी किया नोटिस

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने शासकीय निर्माण कार्यों में उपयोगित खनिज की मात्रा अनुसार रायल्टी राशि की जानकारी प्रदाय नही करने वाले 20 अधिकारियों को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया है। सूचना पत्र में तीन दिवस में रायल्टी की राशि जमा करवाने एवं उसकी जानकारी प्रारूप में प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिये है। संतुष्टिपूर्वक जवाब नही मिलने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

इन अधिकारियों को ारी किया नोटिस

जिला खनिज अधिकारी घनश्याम धनगर से प्राप्त जानकारी अनुसार विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री एसके सूर्यवंशी, पीडब्ल्यू के कार्यपालन यंत्री केएल प्रजापति, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री व्हीके मण्डलोई, पीएचई के कार्यपालन यंत्री आरके नवीन, आरईएस के कार्यपालन यंत्री राहुल पाटीदार, एनवीडीए के कार्यपालन यंत्री एसएस चैंगड़, पीएचई के कार्यपालन यंत्री जीपी उपाध्याय, ई/एम/एनवीडीए के कार्यपालन यंत्री प्रशांत नीखरा, आईएसपी के कार्यपालन यंत्री टीआर पचोरे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग निलेश रघुवंशी, सीएमएचओ डॉ. अनिता सिंगारे, सिविल सर्जन डॉ. मनोज खन्ना, ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक श्री नीरज वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी बड़वानी केएस डोडवे, मध्यप्रदेश सड़क विकास के प्रबंधक कमलेश गोले, पीआईयू के डीपीई श्रीमती आरती यादव, गृह निर्माण मण्डल के सहायक यंत्री श्रीमती श्वेता अचाले, मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन यंत्री एसएस वर्मा, इंदिरा सागर परियोजना नहर के कार्यपालन यंत्री सीबी टटवाल, लोअर गोई बांध एवं नहर के कार्यपालन यंत्री जगदीश तोमर को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है।

उन्होने बताया कि, खनिज मद में सम्बंधित ठेकेदार से रॉयल्टी राशि जमा करवाने हेतु निर्माण विभागे के अधिकारियों को पूर्व में भी निर्देश दिये गये थे। निर्देश देने के बावजूद भी अधिकारियों द्वारा रॉयल्टी जमा करवाने में कोई रुचि नही ली गई। जिससे प्रतित होता है कि अधिकारी द्वारा सम्बंधित ठेकेदार से शासन को रॉयल्टी जमा करवाने में कोई रुचि न होकर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से ठेकेदार को लाभ पहुँचाने की मंशा है तथा अधिकारी द्वारा शासन को वित्तीय नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इसके कारण कलेक्टर श्री वर्मा ने कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया है।

सहकारी समितियों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

ऑनलाईन इंट्री भौतिक सत्यापन और स्टॉक रजिस्टर में पाया अंतर

माही की गूंज, खरगोन।

तीन दिन पूर्व आयोजित हुई समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने खाद वितरण व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए एसडीएम और कृषि विभाग को निर्देशित किया था। मंगलवार को पिपलझोपा के एक खातेदार ने सोसाइटी से यूरिया खाद नहीं देने की शिकायत पर इसी दिन देर शाम को ही एसडीएम, सहकारिता प्रबंधक और कृषि विभाग के अमले ने औचक निरीक्षण किया। पिपलझोपा सोसाइटी में एनपीके की ऑनलाइन इंट्री 34 बेग दर्शाई गई। जबकि भौतिक रूप से 58 बैग्स पाये गए। इसी तरह सिंगल सुपर फास्फेट के ऑनलाइन 218 बैग्स और भौतिक सत्यापन में 248 बैग्स मिले। सोसाइटी में एनपीके के 24 और सिंगल सुपर फास्फेट 30 बैग्स एक्सट्रा पाये गए। इससे पूर्व एसडीएम श्री सिंह ने बिस्टान सहकारी समिति का भी निरीक्षण किया। यहां ऑनलाइन यूरिया की स्थिति 351 बैग्स और भौतिक रूप से 252 बैग्स मिले। एनपीके की ऑनलाइन 491 और भौतिक सत्यापन में 443 बैग्स सिंगल सुपर फास्फेट 336 ऑनलाइन और भौतिक स्थिति में 198 बैग्स मिले। एसडीएम श्री सिंह ने बताया कि, शिकायत प्राप्त होने के बाद कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशों पर शाम को ही औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुछ गड़बड़ियां सामने आई है। इस मामले में एफआईआर दर्ज होने की सम्भावना है।

विद्यालयों में खर्च की गई राशि का पता लगाने जांच दल गठित

माही की गूंज, खरगोन। जिले में विद्यालयों की मरम्मत, रंगाई-पुताई में करोड़ों रूपये की राशि प्रशासन द्वारा खर्च की गई थी। विद्यालयों में खर्च की गई राशि की विस्तृत जांच के लिए खरगोन एसडीएम ओमनारायण सिंह ने आदेश जारी कर जांच दल गठित किया हैं। गठित जांच दल में महिला बाल विकास की सहायक संचालक सुश्री मोनिका बघेल, जिला खेल एवं युवा अधिकारी श्रीमती पवी दुबे, संबंधित तहसीलदार व उनका प्रतिनिधि, वाणिज्यिक कर कराधान रणछोड़ भांभर, सहायक कोषालय अधिकारी संजय बिलवाल एवं संबंधित जनपद के लेखा अधिकारी को दल में शामिल किया है। गठित जांच दल शिकायत में उल्लेखित तथ्यों व लेखों की जांच पश्चात विस्तृत प्रतिवेदन एसडीएम को प्रस्तुत करेंगे।

नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को मिला 20 वर्ष का कारावास एवं जुर्माने से किया दण्डित

माही की गूंज, बड़वानी।

न्यायाधीष विषेष न्यायालय (पाक्सो) बडवानी श्रीमती सारिका गिरी शर्मा ने पारित अपने आदेश में आरोपी भीक्सर उर्फ विकास पिता धरमिया जिला बड़वानी को धारा 5एल/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 में 20 वर्ष एवं 366 भादवि में 3 वर्ष एवं 500-500 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन की ओर से पैरवी अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री दुष्यंतसिंह रावत द्वारा की गई।

अभियोजन मीडिया प्रभारी सुश्री कीर्ति चैहान ने बताया कि, घटना 10 नवम्बर 2021 के सुबह अभियोक्त्री षौच करने गयी थी, काफी देर तक अभियोक्त्री वापस नहीं आई तो उसकी माॅ ने आसपास व रिश्तेदारों में तलाश किया। अभियोक्त्री का कोई पता नहीं चला, फरियादिया ने थाना अंजड़ मे जाकर नाबालिक के अपहरण की अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट की। जिस पर से थाना अंजड़ में अपराध पंजीबद्ध कर अनवेषण शुरू किया।

विवेचना के दौरान ज्ञात हुआ कि आरोपी भीक्या बहला-फुसलाकर अभियोक्त्री को जबरदस्ती ग्राम दौलताबाद जिला उज्जैन अपने साथ ले गया वहां एक झोपडी में अभियोक्त्री को अपने साथ रखा और उसकी मर्जी के बिना अभियोक्त्री के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने अनुसंधान के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया और प्रकरण की विवेचना पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

नशा मुक्ति अभियान में अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रकरण किए दर्ज

माही की गूंज, धार। जिले में आबकारी विभाग के द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान के तहत मंगलवार को वृत धरमपुरी मे गुलझारी, छोटी बुटी, कारमनदी गुजरी, खलघाट में विधिवत दबिश दी गई। जिसमें 7200 किलोग्राम महुआ लहान, 280 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धाराओ में एक प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गये। जप्त की गई मदिरा का अनुमानित मूल्य 4 लाख रुपए है। इसी प्रकार वृत्त धार के ग्राम सुरजपुरा, दिलवरा डैम, बंजारी फलियां व खान्दन में दबिश दी गई। जिसमे कुल 07 केस कायम किये। उक्त प्रकरणों में कुल 8800 किलोग्राम महुआ लाहन, 102 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त की गई।

मां अन्नपुर्णा शक्ति पीठ सेमलिया में अखण्ड सनातन धर्म महाकुंभ 12 दिसम्बर को

सेमलिया की पहाड़ी पर विशाल संत सम्मेलन में तारक मेहता के जेठालाल भी होंगे शामिल

माही की गूंज, रतलाम।

माँ अन्नपुर्णा शक्ति पीठ सेमलिया में अखण्ड सनातन धर्म महाकुंभ का आयोजन 12 दिसम्बर को किया जाएगा।सेमलिया की पहाड़ी पर विशाल संत सम्मेलन में तारक मेहता के जेठालाल देश के प्रख्यातं सतंगण में शामिल होंगे। आयोजन प्रभारी संतोष मेडतवाल व अर्जुन व्यास ने बताया कि, इस सतं सम्मेलन में उ.प्र. सरकार द्वारा केबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त वर्तमान में पुर्वांचलं बोर्ड के अध्यक्ष महामण्डलेश्वर आशुतोषानदं गिरी महाराज, बाबा ऋष्णानदं परमहंस सांपला रोहतक हरियाणा, महतं सम्पुर्णानद ब्रह्मचारी सचिव श्री शम्भु पथं अग्नी अखाड़ा के साथ सम्मेलन में देश के कई प्रख्यातं सतंगण शामिल होंगे। साथ ही कई राजनेतिक हस्तियो के आने की भी सम्भावना है। प्रशिद्ध चमत्कारिक माँ अन्नपूर्णा शक्ति पीठ धाम पर महामण्डलेश्वर स्वामी मधुसुदानदं जी महाराज की पावन निश्रा में आयोजित अखण्ड सनातन धर्म महाकुम्भ एवं विशाल सतं सम्मेलन में प्रसिद्ध टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चस्मा के कलाकार जेठालाल (दिलीप जोशी) शिरकत करेंगे। ऐसे में कहा जा सकता है कि, ग्राम सेमलिया की पहाड़ी पर अब नया शक्तिपीठ उभर रहा है जो धर्म संस्कृति से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के नए आयाम गढ़ेगा।

एक वर्ष से चल रहा अखंड का व्याख्या रुद्र महा चंडी यज्ञ

संस्कृति संरक्षण प्रकृति संवर्धन जन कल्याण और आध्यात्मिक उन्नति हेतु प्रसिद्ध चमत्कारिक अन्नपूर्णा शक्ति पीठ सेमलिया धाम कालूखेडा तहसील पिपलोदा में विगत एक वर्ष से जनमानस के भौतिक कष्टों के निवारण हेतु तथा विश्व शांति के प्रकल्प को लेकर अनवरत चल रहे अखंड का व्याख्या रुद्र महा चंडी यज्ञ स्वामी महामंडलेश्वर मधुसुधानन जी महाराज के द्वारा किया जा रहा है। विशाल भंडारा, रुद्राक्ष व यज्ञ भभूति वितरण भी होगा, आयोजन में देश विदेश के प्रसिद्ध आध्यात्मिक विभूतियों साधु संतों का संगम आस्था व विश्वास के महाकुंभ में देश के बड़े जनप्रतिनिधि और कलाकार व सनातन धर्म के प्रतीक स्वरूप कई झांकियों का दर्शन होगा। विशाल भंडारा रुद्राक्ष वितरण एवं यज्ञ भभूति वितरण का कार्यक्रम भी रहेगा। वही एक वर्ष से यहाँ भण्डारा भी निरंतर चल रहा है।

महाकुंभ को लेकर व्यापक तैयारी जोरों पर

महाकुम्भ को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है व आस पास के ग्रमीण भी आयोजन को लेकर उत्सुक है व सभी अपनी अपनी तैयारियों में लगे हैं। आयोजन को लेकर यहां विशाल टेंट व साज सज्जा की जा रही है जेठालाल के आने कि सुचना मिलने पर पुरे क्षेत्र में इसको लेकर भारी उत्सुकता देखने को मिल रही है। समिति अनुसार आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं के पहुचने की संभावना है।

आयोजन संबंधी फोल्डर का विमोचन

आयोजन को लेकर कल स्वामी मधुसुदानंद जी ने एक फोल्डर का विमोचन किया। जिसमें आयोजन संबंधी जानकारी दी गई। यहा पहुंचे पत्रकारों से चर्चा के बाद महामंडलेश्वर ने पत्रकारों के हाथों से ही फोल्डर का विमोचन करवाया। पत्रकारवार्ता में महामण्डलेश्वर ने विस्तार से बताया कि कै से इस स्थान पर धर्म, संस्कृति से लेकर शिक्षा स्वास्थ्य और सेवा के कार्य होंगे।

महामंडलेश्वर ने बताया कि, जनवरी में मध्यप्रदेश के राज्यपाल ओर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री भी माँ अन्नपूर्णा धाम पर चल रहे रुद्रचढ़ि यज्ञ में आहुति देने आ सकते है।

बिगड़ी यातायात व्यवस्था, बाजार में जाम से पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

खंडवा-बड़ौदा मार्ग पर आए दिन लगता जाम, दुकानों के सामने बीच रोड़ पर खड़े कर रहे वाहन

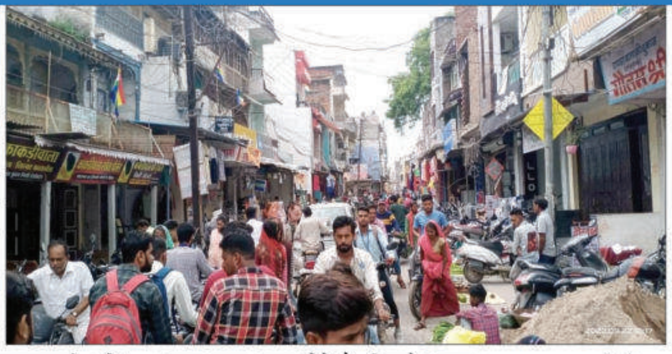

माही की गूंज, अलीराजपुर।

वैसे तो शहर में जाम की समस्या बाजार वाले इलाके में हमेशा ही रहती है। भीड़ से जाम की समस्या से लोगों को मुश्किलें झेलनी पड़ीं। दिनभर खरीदारी करने वाले लोगों की भीड़ आने से यातायात व्यवस्था लडखड़ाई रही। आमतौर पर एमजी रोड, निम चोक पर ज्यादा भीड़ रहती है। लेकिन शहर में पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने, यातायात विभाग की नरमी और वाहन चालकों की मनमानी के कारण यातायात व्यवस्था ऐसी बिगड़ी कि, देर शाम तक शहर के बाजार में जाम की स्थिति रही। वहीं शहर के अंदर चौराहों पर वाहन चालकों की मनमानी के चलते दिनभर हर दस मिनट पर जाम लगता रहा। निम चोक में टैफिक इस कदर बिगड़ा कि, लोग परेशान हो रहे, बीच सड़क पर वाहन पार्किंग कर खरीदारी कर रहे है। कहां से निकले,कैसे और कहां से चले।

पार्किंग न होने से गड़बड़ाई व्यवस्था

पार्किंग के लिए शहर के बाजार में जगह निर्धारित नहीं होने से लोग कही भी अपने दो पहिया एवं चार पहिया वाहन खड़ा कर देते हैं। ज्यादातर लोग सड़क से सटाकर ही अपना वाहन खड़ा देते हैं, जिसके कारण शहर की यातायात व्यवस्था अक्सर लडखड़ा जाती है। मुख्य मार्ग पर जाम जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है। त्योहार पर खरीदारी के लिए एमजी रोड से लेकर निम चौक, बाजार में भीड़ उमड़ रही है। लेकिन इतने बड़े मार्केट में एक भी पार्किंग नहीं होने से सड़क और सड़क का किनारा ही पार्किंग बन गया है। जिससे जाम लग रहा है। इस ओर स्थानीय प्रशासन एवं यातायात पुलिस का कोई ध्यान नहीं है। इस वजह से भी आवागमन बाधित करने वालों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। सड़क तक दुकानें फैली हैं, दुकान से सटाकर गाडियों की पार्किंग की जा रही है। ऐसे में सिंगल सड़क पर दो तरफा वाहनों के आवागमन से जाम लग रहा है।

दुकानदारों ने सड़क तक फैलाया सामान

बढ़ती ट्रैफिक अव्यवस्था की एक बड़ी वजह है, दुकान का सामान सड़क तक फैला कर रखना और सड़क से सटाकर हाथ ठेलों का लगना है। हाथ ठेला वालों के लिए कोई वेंडर जोन नहीं है। भीड़भाड़ वाले इलाके में हाथठेलों पर नाश्ता,सब्जी, फलों की दुकानें सहित अन्य सामग्री की दुकानें लगाई गई है। शहर में यातायात की स्थिति बहुत खराब हो गई है। जिससे बड़े वाहनों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन सब अव्यवस्थाओं के बाद भी स्थानीय यातायात पुलिस एवं प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है।

चौराहों-तिराहों पर नहीं कोई देखने वाला

शहर के सभी प्रमुख चौराहों और तिराहों पर वाहन चालकों की मनमानी रोकने और उन्हें टोकने वाला कोई नहीं है। लोग कही से कैसे भी वाहन घुसा दे रहे हैं। जिससे चौक-चौराहों पर अक्सर जाम लग रहा है। यातायात कर्मचारी नहीं होने से पहले निकलने की होड़ में दोपहिया और चार पहिया वाहन चालक कही से भी गाड़ी आगे बढ़ा देते हैं,जिससे वाहनों का काफिला आमने-समाने आ जाता है और जाम की स्थिति बन जाती है।

नहीं हो रहा नियमों का पालन

शहर के लोग यातायात नियमों के पालन को तब्जजों नहीं दे रहे हैं। चाहे सड़क पर चलने की बात हो या वाहन पार्किंग की, हर जगह नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। जल्दी निकलने के फेर में लोग खुद ही जाम लगा बैठते हैं, ऐसे में न वो खुद जल्दी निकल पा रहे, न दूसरे। दोपहिया वाहन चालक वाहन चलाते समय चार पहिया वाहनों के सामने या बगल से कभी भी गाड़ी निकाल देते हैं। ऐसे में दुर्घटना और विवाद हो जाते हैं। लेकिन फिर भी लोग ट्रैफिक नियम को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। हैरत की बात ये है कि इसका खामियाजा भी उन्हें ही भुगतना पड़ रहा है। फिर भी कोई भी ट्रैफिक नियम को लेकर गंभीर नहीं है। ऑटो और बस चालक बीच सड़क पर ही सवारियां बैठाते हैं। इस वजह से रोज विवाद की स्थिति बनती है। रही बात ट्रैफिक पुलिस की, तो पुलिस की ये टीम वाहन चैकिंग और चालान में तो रुचि दिखाती है, लेकिन ट्रैफिक जाम को लेकर ठोस कवायद या कार्रवाई नहीं की जाती है।

गूंज का असर

कस्बे के हैंडपंप सुधरने लगे, आमजन में हर्ष

पाइप के अभाव में हैंडपंप बंद होने से हो रही परेशानी

मैकेनिक को नहीं मिल रहे सहयोग करने वाले

माही की गूंज, आम्बुआ।

ग्राम पंचायत आम्बुआ क्षेत्र के कस्बा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कई हैंडपंप खराब पड़े होने तथा पाइप नहीं मिलने का समाचार माही की गूंज अखबार में 17 नवम्बर को ÷पाइप के अभाव में हैंडपंप बन्द होने से हो रही परेशानी÷, ÷मेकेनिक को नही मिल रहे सहयोग करने वाले÷ शीर्षक के साथ प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद विभाग ने पाइप उपलब्ध कराए व हैंडपंप दुरुस्ती कार्य प्रारंभ होने से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है।

गूंज प्रतिनिधि को प्राप्त जानकारी के अनुसार आम्बुआ-जोबट तिराहे पर स्थित हैंडपंप विगत एक वर्षों से भी अधिक समय से बंद पड़ा है। इस क्षेत्र में कई दुकानें हैं जिसमें भोजनालय, टायर सुधारने, मैकेनिक, चाय पान आदि के साथ ही यहां यात्री प्रतीक्षालय होने से यात्रियों को भी पीने के पानी की समस्या बनी हुई थी। इस समस्या को माही की गूंज ने प्रमुखता के साथ उठाया तो पीएचई विभाग ने हैंडपंपों के लिए आम्बुआ पंचायत के सरपंच रमेश रावत को पाइप उपलब्ध कराएं, तो हैंडपंप मेकेनिक ने बंद पड़े हैंडपंपों को दुरुस्त करना प्रारंभ किया। जितने पाइप मिले हैं उससे जितने हैंडपंप ठीक हो सकेंगे किए जा रहे हैं। शेष के लिए और पाइप की जरूरत पड़ सकती है। जोबट तिराहे के दुकानदार शकील कुरेशी, वसीम बलोच, शाहबुद्दीन, मजीद खान, आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए जनहित में समाचार प्रकाशन कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने पर माही की गूंज का आभार माना है।

कचरा वाहन बंद, हर गली, चौराहों पर लग रहे गंदगी के ढेर

माही की गूंज, नानपुर। फिरोज पठान

अलीराजपुर जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत नानपुर में विगत 1 माह से अधिक समय से साफ सफाई के लिए चलाया जा रहा वाहन बंद होने से गांव में हर चौराहा हर गली में कचरे का ढेर लगा हुआ है। जिससे गंदगी व मच्छरों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है।

जानकारी अनुसार नानपुर ग्राम पंचायत कर्मी ही नियमों को ताक में रखकर गांव की जो वसूली आ रही है उसे पंचायत सचिव व अन्य कर्मचारी ही बंदरबाट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आपको बता दें कि, जो वसूली की राशि या आवक जावक होती है, वह ऑनलाइन कर ग्राम पंचायत के खाते में डालना चाहिए। लेकिन वह राशि पंचायत के कर्मचारी ही रफा-दफा कर देते हैं। कई निर्माण कार्य की फर्जी तरीके से रसीद बनाने का मामला संज्ञान में आया है। जबकि ग्राम पंचायत की जो रसीद रहती है वह सरपंच-सचिव के हस्ताक्षर होना चाहिए, लेकिन लाखों रुपए कि हेरा-फेरी होना वह ग्रामीणों को परेशान करना ग्राम पंचायत सचिव की मनमानी से आम जनता के साथ सरपंच भी परेशान नजर आ रहे है। जबकि परिषद के सदस्य भी सचिव से परेशान है जो सरकार की योजनाओं की जियोटेक करने में लेट लतीफ कर रहा है।

वही सकरी समरथ सिह मोर्य सरपंच से बार-बार कहा जाता है कि, नानपुर ग्राम पंचायत में विकासकार्य रुके हुए है आमजनता परेशान हो रही है। लेकिन अब भी उनके कानों में जूं तक नही रेंगी।

वही सचिव कालू राठौड़, कहता रहता है कि ग्राम पंचायत में एक माह से कचरा वाहन बंद है। तकनीकी खराबी से ठीक करवाने डाला है। एक दो रोज में आ जायेगा, जल्द ग्रामीणों को राहत मिलेगी। लेकिन सचिव साहब ऐसी कोन सी तकनीकी खराबी हुई कि आज तक वाहन ठीक नही हुआ, यह समझ से परे है। रही बात ग्रामीणों को राहत मिलने की तो यदि आप जिम्मेदारी से कार्य करेंगे तो आपको कहने की जरूरत नही पड़ेगी कि, राहत मिल रही है या नही।

संत शिरोमणि रविदास ने अंधविश्वास और कुरीतियों से किया कठोर संघर्ष, समाज ले प्रेरणा- शंकर हरवाल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

संत रविदास समाज सेवा संगठन की बैठक का आयोजन नगर के सुरेंद्र उद्यान में किया गया। बैठक में आगामी 5 फरवरी को संत रविदास जयंती मनाई जाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

इस संबंध में बैठक की अध्यक्षता करते हुए संत रविदास समाज सेवा संगठन के जिलाध्यक्ष शंकर हरवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए समाज के मार्गदर्शक संत रविदास के संबंध में कहा कि, हमारे समाज में 75 प्रतिशत लोग भक्ति लाइन से जुड़े हुए हैं। संत रविदास जैसे महान पुरुष जो विश्व विख्यात हुए हैं जिन्होंने हमारे निम्न जाति के समाज में जन्म लिया उनको अछूत मानकर कई बार प्रताड़ित भी किया गया। लेकिन उन्होंने समाज में कुरीतियों और अंधविश्वास को दूर करने के लिए कठोर संघर्ष किया। उनका मन और ह्र्दय साफ था इसलिए उन्होंने कहा, 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। समाज के लोगों का कर्तव्य है कि, विश्व विख्यात संत शिरोमणि रविदास महाराज की प्रेरणा के द्वारा हम अपने समाज को मिलकर के आगे बढ़ाएं। इसलिए हम उनकी प्रेरणाओं और अच्छाई को अपने जीवन उतारकर अंध विश्वास और कुरीतियों को दूर कर अच्छे जीवन शैली में जीवन जीने की प्रेरणा ले।

बैठक में निर्णय लिया गया कि, 5 फरवरी के कार्यक्रम अंबेडकरनगर में आयोजित किया जाएगा, पश्चात मंडी प्रांगण में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समाज सेवा संगठन के द्वारा जयंती के अवसर समाज के बुजुर्गों, शासकीय कार्य से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का सम्मान किया जाएगा और साथ ही सिकल सेल की बीमारी से ग्रस्त बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में कुरीति उन्मूलन, एवं नशा मुक्ति, बाल विवाह पर समाज के सभी लोगों से शपथ भी दिलवाई गई। बैठक में प्रांतीय कोषाध्यक्ष गुमान हरवाल, जिला संरक्षक सुखलाल सोलंकी, उपाध्यक्ष रमेश सोलंकी, जिला संयोजक दिनेश सस्ते, कार्यकारी अध्यक्ष जुवानसिह सस्तिया, जिला संयोजक मदन हरवाल सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

दोगुना करने के नाम पर लिए रुपए, 8 वर्ष बाद भी नहीं लौटाए

दूसरी बार एसपी से गुहार लगाने पहुंचे ग्रामीण

माही की गूंज, अलीराजपुर। सोंडवा थाना क्षेत्र के ग्राम थोड़सिंधी के ग्रामीण मंगलवार को दूसरी बार अपनी शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। जहां ग्रामीणों ने बताया कि, नरपत पिता भेरूसिंह डोडवा नाम का एक व्यक्ति 2013 में उनके घर पर आया और उन्हे दोगुना रुपए करवाकर लौटाने के बहाने से हम 20 अनपढ़ साथियों को बहला-फुसलाकर रुपए लिए। लेकिन अभी तक हमें हमारे रुपए नहीं दिए। जब हमने उन्हें हमारे रुपए देने को कहा तो वे हमें गाली गुप्त को कर भगा देता है। इस बात को लेकर हमने थाने में संपर्क किया तो वहां पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाने को कहा गया। जिसके बाद अक्टूबर में पुलिस अधीक्षक एवं कलेक्टर को शिकायत आवेदन दिया था। परंतु आज तक उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए हम पुनः पुलिस अधीक्षक के समक्ष अपनी शिकायत लेकर आए थे। हमने पुलिस अधीक्षक साहब से निवेदन किया है कि, हमें हमारे रुपए दिलवा दे और धोखेबाज नरपत के ऊपर सख्त कार्रवाई की जाए।

वरिष्ठ पत्रकार स्व. श्री वाणी को दी श्रद्धांजलि

माही की गूंज, आम्बुआ।

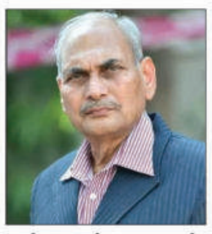

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की नगरी आजाद नगर के वरिष्ठ पत्रकार खुशमिजाज हंसमुख स्वभाव वाले राधेश्याम वाणी के निधन की खबर पर जिले के समस्त पत्रकारों में शोक है। श्री वाणी स्थानीय पत्रकार संघ के अध्यक्ष तथा अविभाजित झाबुआ जिला पत्रकार संघ के विभिन्न पदों पर रहते हुए पत्रकारों के हित में सदैव खड़े रहते थे। स्व. श्री वाणी को आम्बुआ पत्रकार संघ के अध्यक्ष गोविंदा माहेश्वरी, वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, गजेंद्र सिंह रावत, साजिद शेख, असलम मकरानी, मयंक विश्वकर्मा आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार को संबल प्रदान करने हेतु प्रार्थना की।

जीवनदायिनी डोही नदी की हो रही दुर्दशा

माही की गूंज, जोबट।

कल-कल बहती जीवनदायिनी डोही नदी जोबट में जल आपूर्ति का एक समय मुख्य जलस्रोत हुआ करती थी, यहां हर समय बारह महीने तक नदी में पानी बहते हुए देखा जा सकता था। लेकिन कुछ वर्षो से इस जीवनदायिनी नदी की हालत ऐसी हो गई है कि यहां बदबू और गंदगी के सिवा कुछ नजर नहीं आता। साथ ही कूड़ा-कचरा, गंदगी, जलकुंभी और पूरे गांव का गंदा पानी नालों के माध्यम से बहता हुआ इस नदी में आकर गिरता है। ओर वहीं आज देखे तो पूरी नदी में गाद और जलकुंभी ने अपने पांव पसार लिए है, जिसके चलते कई बार यहां मवेशी फस चुके है। जिन्हे बचाने में कई बार कुछ जागरूक लोगो ने बड़ी मशक्कत की और उन्हें बाहर निकलकर बचाया भी गया। लेकिन इतना सब कुछ सामने दिखते हुए भी जोबट की इस एकमात्र नदी की सुध लेने की किसी भी जिम्मेदार को अपनी जवाबदारी का अहसास नहीं है। न तो जनप्रतिनिधि और न ही जिम्मेदार प्रशाशनिक अधिकारी इस ओर ध्यान दे रहे है।

गायत्री शक्तिपीठ जोबट के उत्कृष्ट प्रयासों से कई बार इस नदी में प्रशासन और समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से सफाई अभियान चलाया गया और शक्तिपीठ से जुड़कर कई गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने नदी की सफाई में श्रमदान देकर इस अभियान का हिस्सा बने है और नदी को स्वच्छ करने के प्रयास किए। लेकिन प्रशासनिक स्तर से इस ओर नियमित ध्यान न देने से आज यह जीवनदायिनी डोही नदी अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। इस दुर्दशा के लिए जितना सरकारी तंत्र जिम्मेदार है उतना ही नगर भी।

सभी जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और नगरीय प्रशासन को इस और ध्यान देकर जल्द से जल्द नदी की सफाई, गहरीकरण और इसकी सुंदरता बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाना चाहिए। गांव के गंदे और दूषित पानी की निकासी के लिए कुछ व्यवस्था की जानी चाहिए और साथ ही इसकी सफाई का अभियान नियमित चलाया जाना चाहिए।

जानकारी के अनुसार कई वर्षो पहले गांव के गंदे पानी के लिए नदी के किनारे खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास जहां गांव का गंदा पानी आता था वहां एक बड़ा कूप हुआ करता इस कूप में गंदा पानी जाता था जिससे डोही नदी की स्वच्छता भी बनी रहती थी। लेकिन वह कूप आज विलुप्त हो चुका है। यदि नगर परिषद इस गंदे पानी की निकासी के लिए नदी किनारे जहां पानी आकर रुकता है वहां एक बड़ा कूप बनवाकर उसमे गांव के गंदे पानी के निकासी की व्यवस्था कर दे तो नदी को दूषित होने से बचाया जा सकता है।

शासन द्वारा स्वच्छता मिशन पर लाखो करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे है और नदी की स्वच्छता और सुंदरता भी तो आखिर स्वच्छता मिशन का ही हिस्सा है। और स्वछता मिशन के तहत नगरीय प्रशासन के पास बजट भी आता है लेकिन इसका इस्तेमाल नहीं हो पाता है। परिषद को जलकुंभी हटवाने का ठेका देकर नदी की सफाई पर जल्द ही ध्यान देने की आवश्यकता है।

बता दे कि, इसके पूर्व भी तत्कालीन प्रशासनिक अधिकारियों ने नदी की सफाई के लिए अभियान जरूर चलाए लेकिन निरंतरता के अभाव में आज भी डोही नदी की हालत बदहाल है।

इनका कहना है

इस बारे में जब जोबट नगर परिषद अध्यक्ष राहुल मोहनिया से चर्चा की तो उनका कहना है कि, यह सही बात है की आज जीवनदायिनी डोही नदी की हालत बहुत खराब हो चुकी है। इसके पुन : उद्धार के लिए हम हर संभव कदम उठाएंगे और परिषद बिठाकर इस विषय पर चर्चा करके इसकी व्यापक कार्ययोजना बनाएंगे और साथ ही समाजसेवी संस्थाओं और नगरवासियों को भी इस अभियान में जोड़ा जाएगा।

सरकार व तंत्र... जरा एक नजर इधर भी...

आखिर कौन है और कहां से आए यहां, झोलाछाप डॉक्टर की हो जांच

पंचायतों में फर्जी रूप से पंजी रजिस्टरों में पंजीयन करवाकर बन गए ये झोलाछाप स्थानीय निवासी

कई पंचायतों में तो इनका रिकॉर्ड भी नही और ले रहे सभी योजनाओं का लाभ

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। अगर कोई फर्जीरूप से पाकिस्तान से आकर हमारे भारत में रहता है और कोई गलत गतिविधि कर हमारी भारतीय संवेधानिक व्यवस्था को क्षति पहुंचाने या सेंध लगाने का कार्य करता है तो उसे आतंकवादी गतिविधि कहा जाता है। कुछ इसी तरह बांग्लादेश से भी घुसपैठिये भारत में आकर कई गांव-कस्बों में बस गए और फर्जी तरीके से स्थानीय निकायों में अपना निवासी पंजीयन करवाकर स्थानीय निवासी बन गए। ये किस जाति वर्ग के हैं यह भी किसी को पता नहीं रहता है, लेकिन सांठगांठ में माहिर ये पूरी प्लानिंग के साथ भारत में आकर रह रहे और यहां की जातियों का आरक्षण लिस्ट का अवलोकन कर फर्जी सरनेम के साथ स्थानीय निकायों में अपने नाम दर्ज करवाने के साथ ही अपने आप को अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग का बताकर आरक्षण का लाभ लेने के साथ ही शासन की सभी योजनाओं का लाभ फर्जी तरीके से लेकर सेंध लगाने में कोई कसर नही छोड रहे।

यह झोलाछाप डॉक्टर अपने आप को बंगाली बताकर रहते हैं वरन फर्जी डिग्रियां दलालों के माध्यम से लेकर फर्जी क्लीनिक चलाकर यहां के स्थानीय निवासी बन अपनी निजी संपत्तिया भी स्थापित कर ली। जबकि यह शासन की हर योजना का लाभ चाहे वह आवास योजना हो, कर्मकार योजना, जॉब कार्ड हो यहां तक की अपने नाम को गरीबी रेखा में दर्ज करवाकर अपनी लचीली भारतीय कानूनी व्यवस्था में सेंध लगाकर सभी योजनाओं का लाभ ले लेते है। तय हैं फर्जीरूप से किया जाने वाला उक्त कृत्य भी किसी आतंकी गतिविधि से कम नहीं आका जा सकता है।

माही की गूंज ने तत्थात्मक रूप से इन झोलाछाप डॉक्टरों का खुलासा किया था कि, किस तरह से यह बाग्लादेष से चोर रास्ते से दलालों के माध्यम से घुसपैठ कर आते हैं और एक-एक गांव-खेड़े तक में जाकर बसते हैं और बाद में कुछ समय यहां रहकर जो बांग्लादेश में भी रह रहे उनका नाम भी अपने साथ यहां की स्थानीय निकायों की पंजी रजिस्टर में पंजीयन करवा देते हैं। इतना ही नहीं कईयों की शादी भी यहा आने के बाद अब भी बांग्लादेश की लड़कियों से ही करने के साथ उन्हें भी यहां के निवासी बना देते हैं और किसी कारण से तालमेल नहीं जमता है तो महिलाओं को छोड़ पुनः उसे बांग्लादेश भेज देते हैं। उन महिलाओं के नाम भी भारत के किसी न किसी निकायों में दर्ज है का खुलासा मय प्रमाण के साथ प्रमुखता से प्रकाशित गूंज ने किये थे। लेकिन हमारी सरकार व उसका तंत्र ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर मूकदर्शक बने रहे। जबकि ऐसे बांग्लादेषी व झोलाछाप डॉक्टरों जो आम लोगों की जिंदगीयों से खिलवाड़ करने के साथ सारी भारतीय कानून व्यवस्था में सेंध लगाकर योजनाओं का लाभ लेकर एक तरह से आतंकी जैसी गतिविधि को ही संचालित कर रहे हैं, के विरुद्ध उच्चस्तरीय जांच करने के साथ सरकार व सरकार के तंत्र को आमजनता के सामने खुलासा कर इन्हें इनके वास्तविक स्थान पर रवानगी देना चाहिए।

बांग्लादेषी गौतम ने पक्की इमारत भी की भामल में कायम पर ग्राम पंचायत में कोई दस्तावेज नही।

बांग्लादेषी दम्पती का फर्जी कारनामा ऐसा की जाब कार्ड के आधार पर बिना मजदुरी किये ही मजदुरो के हक की राषि की फर्जी रूप से आहरण।

बांग्लादेषी गौतम दम्पती षडयंत्र के साथ आया भारत और गांव की लडकी को बेटे के साथ भगवाकर रचा एक नया इतिहास।

अजित राय के साथ पुलिस करती है सख्ती से पुछताछ तो यह नाबालिक प्रेमी जोडा बांग्लादेष मे भी चला गया हो तो भी आ सकता हैं भामल।

फर्जी इलाज करने वाला बांग्लादेषी गौतम दम्पती ने फर्जी रूप से मजदुरी करना बताकर जाबकार्ड के आधार पर भी कर ली राषि आहरण

आज हम बात झाबुआ जिले के थांदला ब्लाक के ग्राम भामल की ही करें तो यहां लंबे समय से आकर गौतम राय के नाम से झोलाछाप डॉक्टर ग्रामीणों का फर्जी इलाज कर रहा है। वही स्थानीय सभ्य परिवार की महिलाओं पर बुरी नजर डालने वाला गौतम राय का नक्षत्री पुत्र अपने पिता के नक्शे कदमों पर चल बिना डिग्री के ही फर्जी इलाज तो कर ही रहा है, साथ ही गांव के जैन समाज की एक सभ्य परिवार की नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ऐसा अपने चंगुल में लिया कि, तरुण उर्फ सुमन कहे वही वो लड़की करने को तैयार हो गई और भारतीय संस्कृति को कलंकित करने का प्रयास कर अपने बदनियत के साथ लड़की को प्रेम जाल में फंसाकर किया।

माही की गूंज ने उक्त मामला पिछले अंकों में प्रकाशित किया था। जब गूंज ने इस झोलाछाप गौतम राय के बारे में पूरी हिस्ट्री जानना चाही कि, यह असल में भारत का है या बांग्लादेश का...? कब भामल पंचायत में आकर किस गांव के नोडूयूज प्रमाण पत्र के आधार पर भामल पंचायत के पंजी रजिस्टर में अपना एवं परिवार का नाम दर्ज करवाया...? किस-किस योजनाओं का लाभ गौतम राय व परिवार ने लिया को खंगाला तो यहां भी कई चौंकाने वाली बात सामने आई। भामल पंचायत में पंजी रजिस्टर जिसमें गौतम राय व परिवार का नाम दर्ज है जाना तो, यहां 3 घंटे रिकॉर्ड को खंगालने के बाद भी पंजी रजिस्टर में कहीं भी गौतम राय का नाम पंचायत सचिव व समन्वयक को दर्ज नहीं मिला। जबकि गौतम राय यहां का फर्जी रूप से स्थानीय निवासी बनने के साथ ही यहां से राशन कार्ड बनवाया, परिचय पत्र, आधार कार्ड, जॉब कार्ड आदि सब भारतीय होने के दस्तावेज बनाए और दो मंजिला पक्का मकान बनाकर यहां रह रहा है। पर पंचायत में मकान कर पंजी रजिस्टर में भी इसका नाम नही मिला।

वही पात्रता पर्ची के साथ प्रतिमाह 40 किलो खाद्यान्न भी अपने आप को गरीबी रेखा में बताकर ले रहा है। इतना ही नहीं जब पंचायत समन्वयक ने बताया कि, गौतम राय व उसका पुत्र तरुण कर्मकार का पंजीयन करवाने भी आया था, लेकिन यह परिवार घर के झाड़ु-पोछा लगाने के लिए नौकर रख रखे हैं तो यह मजदूरी तो करते ही नहीं हैं। इस आधार पर कर्मकार पंजीयन नहीं किया। इतना ही नहीं जन कल्याण शिविर में तरुण राय ने आवास योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन भी किया। समन्वयक की बात सुनने के बाद जब गौतम राय के जॉब कार्ड नंबर 522 की तहकीकात गूंज ने की तो सामने आया कि, अपने घर में झाडू-पोछे के कार्य के लिए नौकर रखने वाला गौतम राय व उसकी पत्नी बीना राय ने 2017 में सागवा के बड़ी झरिया में लिमड़ी वाली नाकी में बने निस्तार तालाब व 2018 में रत्नी पंचायत के आंगनबाड़ी फलिये के निस्तार तालाब जो कि, आरईएस विभाग द्वारा बनाया गया के कार्य में तगारी, फावडे उठाकर मजदूरी की। वरन उक्त मजदूरी का पैसा गौतम राय ने एसबीआई शाखा व बीना राय ने नर्मदा झाबुआ की खवासा बैंक शाखा से भी आहरण किया। जबकि इस संबंध में टाईम किपर व तालाब में कार्य करने वाले मजदूरों से पूछा तो बताया, गौतम राय व बीना राय ने तालाब कार्य में कोई मजदूरी नहीं की थी, पुराने मकान मालिक से सांठ-गांठ कर मजदूरी के नाम पर फर्जी राशि गोतम ने आहरण की है।

बांग्लादेश के लोखईडंगा का रहने वाला गौतम राय ने बनाए सभी फर्जी दस्तावेज व ले रहा आरक्षण का लाभ

गौतम राय की उक्त कारस्तानियां सामने आने के बाद गूंज के विशेष मुखबीर जो इन झोलाछापों की आतंकवादी रूपी सभी कारस्तानियों को पूरी तह तक जानता है और यह झोलाछाप कहां के रहने वाले हैं भी जानते हैं। ऐसे हमारे विष्वसनिय मुखबिर ने बताया कि, गौतम राय असल में बांग्लादेश के ग्राम लोखईडंगा तहसील मोनीरामपुर जिला जेस्सोर का रहने वाला है तथा खवासा में रह रहे बांग्लादेशी अजीत राय की तरह ही दलाल के माध्यम से घुसपैठ कर भारत आया और स्थानीय निकाय में फर्जी रूप से पंजीयन करवाकर भारतीय हो गया। हमारे मुखबीर बताते हैं कि, सरकार व सरकार के तंत्र गौतम राय व इसे संरक्षण देने वाला अजीत राय के ही स्कूली प्रमाणपत्र के साथ सभी दस्तावेजों की जांच कर कारवाई की जाए तो दूध का दूध व पानी का पानी सामने आ जाएगा और देष में रह रहे ऐसे सभी बांग्लादेषीयो का पुरा पर्दा फाष हो जायेगा। मुखबिर ने यहां तक बताया कि, पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से आए किसी भी व्यक्ति के फर्जी दस्तावेज नहीं बनते हैं जिसके लिए यह मध्यप्रदेश के साथ अन्य राज्य के फर्जी रूप से स्थानीय निवासी बन यहां के दस्तावेज के साथ ही पश्चिम बंगाल के निवासी बन जाते हैं।

एससी वर्ग के संबंध में भी मुखबिर बताते हैं पश्चिम बंगाल में यह समाज वर्ग एससी वर्ग में जरूर आते हैं परंतु मध्यप्रदेश में यह सामान्य वर्ग में ही आते हैं। अन्य दस्तावेज की तरह गौतम राय व अजीत राय की तरह कईयों ने फर्जी दस्तावेजों के साथ एससी वर्ग का आरक्षण लाभ भी ले रहे और इस तरह से यह भारत में रहकर एक आतंकी गतिविधि की तरह ही भारतीय संवेधानिक व्यवस्था में सेंध लगा रहे हैं।

अजीत राय को पकड़ने से भगाई गई लड़की बांग्लादेश से भी आ सकती है

मुखबिर ने बताया कि, तरुण जिस नाबालिक लड़की को भगाकर ले गया है उस लड़की की वापसी के लिए प्रशासन गौतम राय के साथ अजीत राय के उपरोक्त लिखी सभी जानकारी की जांच करें साथ ही गौतम राय व अजीत राय से सख्ती से पूछताछ करे तो भले ही अजीत राय के माध्यम से लड़के-लड़की को भारत के किसी कोने से ही नहीं बल्कि बांग्लादेश भी भेज दिया होगा तो वहां से भी लड़की आ सकती है।

वाह विधायक जी मौज कर दी...

सुबह चार बजे से खाद के लिए इंतजार करने वाले किसानों की नही सूद

विधानसभा चुनाव आते ही विधायक जी को आये किसान नजर

खाद व नहर के लिए विधायक के नेतृत्व में प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

ज्ञापन देकर किसानों की समस्याओं पर राजनीति करते विधायक वालसिह मेड़ा।

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

विगत चार वर्षों में जनता से दूरी रखने वाले विधायक वालसिह मेड़ा को अचानक किसान याद आ गई। कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे है, तो विधायक साहब ने भी 2023 के विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरु करते हुए वोट जोड़ो अभियान शुरू कर दिया। नगर परिषद चुनाव में कांग्रेस की मट्टी पलित्त करने वाले विधायक साहब भरपाई करने मैदान में उतरे है। सबसे पहले तो विधायक साहब पहले से लेट हो चुकी नहर में पानी नही पहुँचने ओर नहर के खराब मेंटेनेंस को लेकर मैदान में उतरे। दोनों ही मामलों में विधायक साहब को पहले कभी इतना उग्र नही देखा गया, लेकिंन 2023 आते ही विधायक वालसिंह मेड़ा को जमीन नजर आने लगी। विगत एक माह से किसान यूरिया खाद के लिए सोसाइटी के बहार सुबह 4 बजे से लाइन में लग रहे है, लेकिन विधायक साहब कभी इनके बीच नही पहुँचे और चुनावी बुखार चढ़ने लगा तो विधायक साहब को किसान नजर आ गए हैं। काफी समय से परेशान किसान जिनको एक बोरी यूरिया के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है, किसान घण्टो लाइन खड़े रहना पड़ रहा है।

गिनी चुनी सोसायटी से मिल रहा है खाद, उसके लिये कोई पहल नही

किसानों को सबसे बड़ी समस्या खाद लेने के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। प्रशासन ने खाद वितरण हर सोसायटी को न देते हुए इक्का-दुक्का सोसाइटीयो को दिया है, जिसके चलते 10 से 15 किलोमीटर तक के किसानो को दो बोरी खाद के लिए हर हफ्ते समय और किराया बर्बाद कर सोसाइटी तक जाना पड़ रहा है। उक्त समस्या के निदान के लिए किसान संगठन और जयस संगठन पहल कर हर सोसायटी में खाद वितरण की व्यवस्था की मांग कर चुके है, लेकिन विधायक साहब की और से इस क्षेत्र में कोई पहल नही की गई।

मुआवजे के धरने में फंसे विधायक

जब नहर निर्माण में डूब में गई जमीन के मुआवजे को लेकर धरना चल रहा था तब किसानों को पानी मिलने में हो रही देरी, विधायक साहब के समझ नही आई। उचित मुआवजे की मांग पर बैठे डेम निर्माण में जमीन खो चुके किसान के हक के लिए समर्थन में आये, धरने के कारण समय पर नहर से पानी नही मिलने से परेशान किसानों के लिए सामने आए दोनों ही स्थिति में एक पक्ष नाराज होता इसलिए दोनों और से दूरी रखी। वर्षो से उचित मुआवजे की मांग कर रहे, किसानों के लिए कोई आवाज़ नही उठाई। 15 महिने सरकार में रहे विधायक साब ने इस दौरान भी कोई पत्र व्यवहार सरकार से नही किया पर चुनाव में वोट की फसल काटने में अचानक विधायक साहब को मुद्दा मिल गया, नहर में पानी नही पहुँचने का ओर मैदान में उतर गए।

चार साल का हिसाब नही है विधायक जी के पास

जनता विधायक साहब से 4 साल का हिसाब पूछना चाहती है जिंसमे से 15 महीने सरकार में रह कर भी कोई काम क्षेत्र के लिए नही किया। कोरोनो काल मे भूमिगत रहे विधायक साहब अब किसानो को लेकर मैदान में उतरे है और पब्लिक सिटी स्टैंड कर रहे हैं। जबकी नहर ओर खाद के मुद्दे को लेकर किसान यूनियन ओर संगठन लगातार आवाज़ उठा रहे हैं, जिनकी आवाज़ आज तक विधायक साहब तक नही पहुँची।

झूठे बयान देकर बटोरते है सुर्खियां

विधायक साहब मीडिया में आने के लिए झुठे बयान देकर सुर्खियां बटोरने में माहिर हैं। बात करे गूंज के उठाये मुद्दों की जिंसमे उन्होंने पहल कर निराकरण, मांग, कार्यवाही की बात कही, लेकिन खुद की कही बात को ही कभी पलट के नही देखा। बामनिया-पेटलावद मार्ग से करडावद को जोड़ने वाले मार्ग पर बने ब्रिज के घटिया निर्माण को लेकर कार्यवाही की मांग की बात कही लेकिन कोई मांग उच्च स्तर पर लिखित में नही की, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल हॉस्पिटल में शिफ्ट होने नगर में मामूली स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए हो रही परेशान के लिए पुराने स्वास्थ्य केंद्र को शहर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में शुरू करने के लिए पहल की बात की। लेकिन आज दिन तक स्वास्थ्य मंत्री से इस दिशा में कोई चर्चा या पत्र की जानकारी नही दी। मॉडल स्कूल के बच्चों के लिए यात्री प्रतीक्षालय के लिए खुद की निधि से दिए दो लाख रुपये तीन साल बाद भी करडावद पंचायत द्वारा प्रतीक्षालय नही बनाया गया। मामले को गूंज ने बेबाकी के साथ उठाया विधायक साहब भी राशि मे हुई हेराफेरी की जांच और तुरंत सड़क के दोनों और अस्थाई सेड वाले प्रतीक्षालय बनाने की बात कही लेकिन दोनों विषय पर कोई कदम विधायक साहब ने नही उठाया। विधायक साहब मीडिया के माध्यम से केवल सुर्खियां बटोर रहे हैं और खुद के कहे पर भी पहल नही कर रहे है, जनता अगले चुनाव में साहब से जरूर सवाल करेगी।

सरकारी माल हुआ भंगार सरपंच ने नया कंप्यूटर लगवाया

माही की गूंज, भामल।

सरकारी माल की गुणवत्ता व उसके उपयोग को लेकर कई सवाल उठते रहे हैं और सरकारी माल अक्सर उपयोग होने के पूर्व ही अनुपयोगी हो जाता है। ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत भामल का है, यहां सरकारी कार्य की सुविधा की दृष्टि से कंप्यूटर, इनवर्टर और प्रिंटर की खरीदी की गई थी लेकिन सरकारी नुमाइंदों की लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते आम जनता का जो कार्य पंचायत में फ्री में होना था वो आम जनता को बाजार में पैसे देकर करवाना पड़ा जिसका नतीजा तात्कालिक जनप्रतिनिधियों को भुगतान पड़ा और जनता ने चुनावों में उन्हें घर बिठा दिया।

नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती ममता बहादुर चरपोटा ने इस समस्या को समझा और जनता के लिए तत्काल स्वयं के व्यय पर नया कंप्यूटर व प्रिंटर खरीदा व एक ऑपरेटर की अस्थाई नियुक्ति की जो पंचायत में बैठकर आम जनता के कंप्यूटर संबंधी कार्य कर रहा है। नवनिर्वाचित सरपंच के इस कार्य की सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है। लोगों का कहना है कि, सरपंच ने स्वयं के व्यय पर कंप्यूटर लगवाया है, जबकि पूर्व में शासन द्वारा प्रदान कंप्यूटर उपयोग के पूर्व ही भंगार हो गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422